तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,गुरुवार 25 जून 2026 ■ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-10 ■ वर्ष -42 ■ अंक-088 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 26 जून 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आईपीएस बद्री नारायण मीणा बने बस्तर के नए आईजी

रायपुर,25 जून। आईपीएस बद्रीनारायण मीणा बस्तर के नए पुलिस महानिरीक्षक होंगे। वे सुंदरराज पी की जगह लेंगे। बद्री मीणा के कार्यभार ग्रहण करने पर सुंदरराज बस्तर से

रिलीव होकर सेंट्रल डेपुटेशन के लिए जाएंगे। सुंदरराज रिकार्ड सात साल बस्तर में लगातार डीआईजी और आईजी रहे। उससे पहले सात साल एएसपी और एसपी रहे। याने कुल 14 साल वे बस्तर में रहे। बद्री नारायण मीणा 2004 बैच के आईजी हैं। उनके नाम सबसे अधिक नौ जिलों के एसपी रहने का रिकार्ड दर्ज है। बद्री मीणा रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग पुलिस रेंज के आईजी रह चुके हैं। वे दुर्ग में दो बार आईजी रहे। पुलिस अधीक्षक के तौर पर वे सरगुजा से लेकर बस्तर तक के कई जिलों में काम कर चुके हैं। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, कोरबा, रायगढ़, राजनांदगांव इन टॉप के जिले में भी बतौर कप्तान अपनी भूमिका निभा चुके हैं।

घर में फटा एसी, एक की मौत,एक घायल

रायगढ़,25 जून। रायगढ़ से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है, जहाँ गुरुवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली आईटीआई कॉलोनी (अंबेडकर नगर) में सुबह करीब 3:30 बजे एक मकान में एयर कंडीशनर ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि पूरा मकान मलबे में तब्दील हो गया।इस भीषण हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की दीवारें हिल गईं। घर के अंदर रखा सामान और परिसर में खड़ी दो मोटरसाइकिलें भी आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गईं।

कोलकाता हादसे पर पीएम ने जताया दुख

नई दिल्ली, 25 जून । कोलकाता के तारातला इलाके में हुए दर्दनाक हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, पीएम मोदी ने मृतक के परिवारों को 2-2 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की है। इसके साथ ही, घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बुधवार को कोलकाता में हुई दुर्घटना दुखद है। इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

साइबर ठगों के ठिकानों सीबीआई का छापा

नई दिल्ली,25 जून। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर देश और दुनिया भर के मासूम लोगों को डराकर करोड़ों रुपये ऐंठने वाले इंटरनेशनल साइबर ठगों के खिलाफ सीबीआईने 'ऑपरेशन चक्र-VI' छेड़ दिया है। डिजिटल अरेस्ट गिरोह पर शिकंजा कसते हुए देश के 16 राज्यों में एक साथ 80 से ज्यादा ठिकानों पर गुरुवार सुबह छापेमारी की गई। सीबीआई ने गिरोह के दो बदमाशों को अरेस्ट किया है।

वेनेजुएला में 7.5 तीव्रता का जलजला,10 हजार से ज्यादा मौत

कारकस,25 जून। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम आए दो बड़े भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। 45 सेकंड के अंदर आए 7.1 तीव्रता और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप ने वेनेजुएला में हर जगह सिर्फ तबाही और बरबादी छोड़ा है। वेनेजुएला में भूंकप से सैंकड़ों इमारतें जमींदोज हो गई। वहीं 10 हजार से अधिक लोगों के मरने की संभावना है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। हालांकि अभी तक सरकार ने किसी मौत के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं। यह पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है। इससे पहले 1900 में 7.7 का तीव्रता का भूकंप आया था। राहत और बचाव अभियान जारी है। यूएस जियोलॉजिकर सर्वे के मुताबिक पहला भूकंप 7.2 तीव्रता का था और इसका केंद्र

राजधानी कराकास से करीब 20 किमी दूर काराबोबो राज्य में था। इसके कुछ ही सेकंड बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा और ज्यादा शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी

सैंकड़ों इमारतें जमींदोज, एयरपोर्ट भी तबाह

जियोलॉजिकल सर्वे यानी यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने भूकंप से वेनेजुएला में 10 हजार से ज्यादा मौतों की आशंका जताई है। यूएसजीएस के मुताबिक भूकंप से 10,000 से ज्यादा लोगों की मौत की 44% और 1,00,000 से ज्यादा मौत की 30% आशंका है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, यह वेनेजुएला में पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है। इससे पहले साल 1900 में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। यूएसजीएस ने चेतावनी दी है कि इस भूकंप में भारी जनहानि हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 7.2 और 7.5 तीव्रता वाले भूकंपों ने पूरे दक्षिण अमेरिका को इलाके को हिलाकर रख दिया। भूकंप का असर वेनेजुएला से करीब 1,700 किलोमीटर दूर ब्राजील के अमेजन जैसे शहरों में दिखा। इन शहरों में भी इमारतों को खाली कराना पड़ा। बुधवार देर रात, कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने कहा कि वह देश को संबोधित करने की तैयारी कर रही थीं।

राजधानी कारकस में सबसे ज्यादा असर-भूकंप का सबसे ज्यादा असर राजधानी कारकस में देखने को मिसा है। राजधानी कारकस में कई इमारतें और घर गिर गए। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया।

लेक्चरर को बीईओ के पद का अतिरिक्त प्रभार देना कानून के विपरीत : हाईकोर्ट

बिलासपुर,25 जून । जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने अपने फैसले में साफ कहा है, शिक्षक का काम शिक्षकीय कार्य को अंजाम देना है, प्रशासनिक कामकाज संभालना नहीं। लेक्चरर को बीईओ के पद का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने को कानून के विपरीत माना है। छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग के प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े मामले में साफ कहा है, शिक्षकीय संवर्ग के कर्मचारियों को प्रशासनिक पदों का प्रभार नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने कहा, शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में नहीं लगाया जाएगा, सिवाय उन विशेष परिस्थितियों के, जिनकी अनुमति बच्चों के निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत दी गई है।

इस टिप्पणी के साथ हाई कोर्ट ने बलौदा के बीईओ का अतिरिक्त प्रभार, लेक्चरर को सौंपने संबंधी आदेश को नियमों और कानून के विपरीत मानते हुए निरस्त कर दिया। मामला बलौदा के प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार गौतम द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। याचिका में कहा है, वे एबीईओ के पद पर कार्यरत हैं और विभाग ने उन्हें प्रभारी बीईओ का दायित्व सौंपा था। इसके बावजूद 10 जून 2026 को जारी आदेश से पीएम श्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, बलौदा के प्रभारी प्राचार्य एवं व्याख्याता अनिल कुमार शर्मा को बीईओ का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, अनिल कुमार शर्मा मूलतः व्याख्याता हैं और शिक्षकीय संवर्ग से आते हैं।

हाईकोर्ट ने राजस्व मंडल का आवेदन किया खारिज

निरक्षर ग्रामीणों को देरी से दायर याचिका पर भी मिलेगा न्याय का अवसर

बिलासपुर,25जून। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने समय-सीमा और न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा है कि सुदूर वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले गरीब, कम पढ़े-लिखे और आदिवासी वर्ग के लोग अपने मामलों में पूरी तरह वकीलों पर निर्भर रहते हैं। ऐसे लोगों को केवल इस आधार पर न्याय से वंचित नहीं किया जा सकता कि उन्होंने समय पर अपील या पुनरीक्षण याचिका दायर नहीं की। जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने यह टिप्पणी करते हुए छत्तीसगढ़ राजस्व मंडल, बिलासपुर के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के सात ग्रामीणों की विलंब से दायर पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी गई थी। हाईकोर्ट ने मामले को पुनर्विचार के लिए राजस्व मंडल को वापस भेजते हुए सभी पक्षों को सुनकर गुण-दोष के आधार पर नया निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं।मामला मरियमपारा निवासी 68 वर्षीय कोदिया उरांव और अन्य ग्रामीणों से जुड़ा है। ग्रामीण लंबे समय से जिस भूमि पर मकान बनाकर रह रहे थे, वहां से बेदखली की कार्रवाई तहसीलदार द्वारा शुरू की गई थी। इसके खिलाफ ग्रामीणों ने सरगुजा संभाग आयुक्त न्यायालय में अपील दायर की थी। हालांकि 21 जुलाई 2025 को आयुक्त न्यायालय ने तहसीलदार के आदेश को सही ठहराते हुए अपील खारिज कर दी थी। ग्रामीणों का कहना था कि वे दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के निवासी और निरक्षर हैं, इसलिए उन्हें आयुक्त न्यायालय के आदेश की जानकारी नहीं मिल सकी। जनवरी 2026 में जब प्रशासन उनके मकानों को हटाने पहुंचा, तब उन्हें मामले की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त कर छत्तीसगढ़ राजस्व मंडल में पुनरीक्षण याचिका दायर की और देरी माफ करने का आवेदन भी प्रस्तुत किया। राजस्व मंडल ने 9 मार्च 2026 को आवेदन खारिज करते हुए कहा था कि ग्रामीणों ने अपने अधिवक्ता से मामले की जानकारी लेने का प्रयास नहीं किया, जो उनकी लापरवाही को दर्शाता है। इसी आदेश को चुनौती देते हुए ग्रामीण हाईकोर्ट पहुंचे थे।

न्याय का उद्देश्य अधिकारों की रक्षा- हाईकोर्ट-सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि वे आदिवासी समाज के गरीब और निरक्षर लोग हैं तथा पूरी तरह अपने वकील पर निर्भर थे। जैसे ही उन्हें बेदखली की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी।

280 बोरी डीएपी खाद से भरी मेटाडोर जब्त

गरियाबंद,25 जून। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में अवैध खाद परिवहन के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। पुलिस ने 280 बोरा अवैध डीएपी खाद से भरे एक मेटाडोर को पकड़ा है। जब्त खाद की कीमत 3.50 लाख रुपए आंकी गई है। यह पूरा मामला देवभोग थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान अवैध डीएपी खाद से भरे मेटाडोर को पकड़ा। पुलिस ने मेटाडोर के अंदर से 280 खाद का बोरा जब्त किया, जिसकी कीमत 3.50 लाख रुपए आंकी गई है। वाहन चालक ने बताया कि उसने 8 हजार के किराए पर उरमाल के एक लाइसेंसी व्यापारी के कहने पर यह अवैध परिवहन कर रहा था। खाद को ओडिसा सीनापाली से जांगड़ा ले जाया जा रहा था, जहां एक मक्का कारोबारी को दिया जाता। पुलिस ने जब्त 280 बोरा डीएपी खाद को आगे की कार्रवाई के लिए कृषि विभाग के सुपुर्द कर दिया है। दरअसल, इस बार युद्ध के चलते रासायनिक खाद का उत्पादन प्रभावित हुआ है,सरकारी सप्लाई भी घट गया है।

भाजपा बेशर्म पार्टी, बच्चों की किताब में भी करती है राजनीति: जयवर्धन सिंह

रायपुर,25जून। मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने एनसीईआरटी की किताब में आपातकाल को शामिल करने पर रोष जताते हुए भाजपा को बेशर्म पार्टी करार दिया है. उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी राजनीति में बच्चों की किताबों को भी शामिल करती है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस राजनीति जरूर करती है, लेकिन कभी बच्चों के भविष्य को इसमें शामिल नहीं करती. भाजपा बच्चों के भविष्य पर भी राजनीति करने वाली पार्टी है.

बिलासपुर में नीट घोटाले को लेकर कांग्रेस की ओर से देशभर में 'छात्रों की गूंज' कार्यकम के संबंध में होने वाली प्रेस वार्ता में शामिल होने रायपुर पहुंचे मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री रहे और कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने पत्रकारों से चर्चा की. उन्होंने बताया कि 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम देशभर में आयोजित किया जाएगा. इसी कैंपेन के अधीन देशभर के 28 शहरों में प्रेस वार्ता रखी है. बिलासपुर में होने वाली प्रेस वार्ता में मैं शामिल होऊंगा. उन्होंने कहा कि पहली बार देश के इतिहास में हमने देखा है कि सीबीएसई शिक्षा, जो कांग्रेसी ने दी थी, उसमें घोटाला हो रहा है. धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकल में दो बार नीट पेपर लीक हुआ है. कांग्रेस ने देश को पहला आईआईटी, आईआईएम और एआईआईएमएस दिया था. नरेंद्र मोदी की सरकार ने नीट घोटाला और सीबीएसई घोटाला दिया है. इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि जब एनटीए का गठन किया गया था, तो संसदीय अधिकार क्यों नहीं दिया गया.

सत्ता के अहंकार में कुचली गई संविधान की आत्मा : साय

रायपुर,25 जून। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संविधान हत्या दिवस पर कांग्रेस पर करारा हमला बोला है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने 25 जून 1975 को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का 'काला दिवस' करार दिया।

साय ने तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार पर आपातकाल थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा सत्ता के अहंकार में संविधान की आत्मा को कुचला गया। मीसा के तहत हजारों लोकतंत्र सेनानी और पत्रकार जेल भेजे गए। उन्होंने कहा कि 25 जून लोकतंत्र का काला दिवस है। आइए, हम सब मिलकर इस दिन संविधान की रक्षा करने का दृढ़ संकल्प लें।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किए जाने के फैसले का स्वागत किया। 25 जून 1975 – भारतीय लोकतंत्र का वह काला दिवस, जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के सत्ता के अहंकार ने संविधान की आत्मा को कुचलकर पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया।

खरोरा में धर्मांतरण, दो पास्टर गिरफ्तार

ईसाई समाज ने थाने में जमकर किया विरोध

खरोरा,25 जून। रायपुर ग्रामीण के खरोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मांठ में धर्मांतरण से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है। हिंदू देवी-

देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो पास्टर को गिरफ्तार किया है। वहीं इस गिरफ्तारी के विरोध में ईसाई समाज के लोग बड़ी संख्या में थाने पहुंचे और कार्रवाई को गलत आरोपों के आधार पर की गई गिरफ्तारी बताते हुए विरोध जताया। मामला खरोरा थाना क्षेत्र का है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से और आरोपियों को आगे की पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया के लिए उन्हें विधानसभा थाना लाया गया है।

ग्रामीणों की शिकायत पर दर्ज हुआ मामला-मामला तब सामने आया जब ग्राम मांठ निवासी हेमंत मरावी ने अरुण कुमार उइके और राकेश कुमार उइके के साथ खरोरा थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि रायपुर निवासी पास्टर सुशांत ज्ञानिक और उसका सहयोगी पीयूष पटेल पिछले कुछ समय से गांव के आदिवासी मोहल्ले में लगातार आ-जा रहे थे और ग्रामीणों से संपर्क कर उन्हें हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

नड्डा से साय की खाद-बीज उपलब्धता पर चर्चा

नई दिल्ली, 25 जून। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जेपी नड्डा से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान जनस्वास्थ्य, चिकित्सा अधोसंरचना, औषधि एवं उर्वरक क्षेत्र सहित विभिन्न विभागीय और समसामयिक विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। विशेष रूप से दूरस्थ, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और अन्य चिकित्सा संस्थानों को मजबूत बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के नागरिकों को बेहतर उपचार और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं अपने ही राज्य में उपलब्ध हों। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कृषि और उर्वरक क्षेत्र से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को जानकारी दी कि राज्य में किसानों को खाद और बीज की पर्याप्त एवं समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं।

सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े तथा खरीफ सीजन के दौरान आवश्यक कृषि आदानों की आपूर्ति सुचारु रूप से बनी रहे।

छत्तीसगढ़ में उत्कृष्ट एथलीट चयन प्रक्रिया: प्रतिभावान खिलाड़ियों के भविष्य से कोई खिलवाड़ न करें

कौन हैं जो प्रधानमंत्री की सोच पर लगा रहे सेंध?

आलेख .. जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार, टीवी कमेंटेटर, रायपुर, छ ग .

मई 2014 में जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत सरकार की सत्ता संभाली है, तब से भारत के खेल परिदृश्य में बहुत से सकारात्मक बदलाव आये हैं। यह सब कुछ प्रधानमंत्री की स्वयं की सोच और भारत को खेल संसार में विश्व गुरु बनाने की इच्छाशक्ति का परिणाम है। कोई माने या ना माने यह सोच और चाहत सत्य भी हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में शरीर को स्वस्थ व चुस्त दुरुस्त रखने के लिए 2014 में भारत के सबसे पुराने व्यायाम, कसरत अर्थात योग को अपनाने का प्रस्ताव रखा। जिसे 14 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने प्रतिवर्ष 21 जून को विश्व में योग दिवस मनाने की स्वीकृति प्रदान की। इस पारित नियम के परिपालन में 21 जून 2015 से प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। इसमें प्रत्येक वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ में शामिल लगभग सभी 193 देशों में योगासन के आयोजन की जानकारी मिल रही है। इस प्रकार हम बड़े ही गर्व के साथ कह सकते हैं चूकि आज संपूर्ण विश्व में योग की क्रियाओं को विदेशियों द्वारा अपनाया गया है और भारत सरकार ने योग को योगासन के नाम से खेल का दर्जा दिया गया है। अतः स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत खेल का विश्व गुरु बन चुका है। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत के खिलाड़ियों को ओलंपिक व नान ओलंपिक खेलों में अधिक से अधिक पदक हासिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री ने रखा है अतः खेलो इंडिया मिशन के अंतर्गत हमारे देश में ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्र में उपलब्ध प्रतिभाओं को चयनित करके उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है ,और इसी वजह से 18, 20, 21 तक केआयु वर्ग के उदयीमान खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विदेशी खिलाड़ियों से मुकाबला करने के लिए उन्हें भारत सरकार के खेल मंत्रालय के खर्च से विदेश भेजा रहा है। इससे हार या जीत मायने नहीं रखती लेकिन परंतु खिलाड़ियों को न सिर्फ नई रणनीति, नई तकनीक की जानकारी हो रही है। बल्कि उन उभरते खिलाड़ियों को अपने आप पर, अपने प्रशिक्षण पर, अपनी मेहनत पर विश्वास जाग रहा है कि हम इसी तरह प्रयास करेंगे तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को ना सिर्फ पूरा करेंगे बल्कि भारत का तिरंगा पूरी दुनियां में फहरा देंगे। दूसरी तरफ सुनने में आ रहा है कि खुद छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अपने खिलाड़ियों के हित में बनाये गये कुछ अतिआवश्यक नियम का स्वयं ही पालन नहीं कर रहे हैं । एक कटुसत्य यह है जब माता-पिता, अभिभावक और स्वयं खिलाड़ी ओलंपिक के कोर ग्रुप वाले खेल समूह में शामिल हो या ना हो, खेलने की शुरूवात करता है। तो वह खेल के माध्यम से उज्जवल व सुरक्षित भविष्य की उम्मीद रखता है। इसी वजह से छत्तीसगढ़ में विभिन्न खेलों के ऐसे खिलाड़ी हैं जो आर्थिक रूप से अभावग्रस्त होते हुए भी अपनी पसंद के खेल को अपना रहे हैं। जब जूते,मोजे, शर्ट, पेंट,गेंद, आदि खेल सामग्री खरीदने की बात आती है तो वह या उसके अभिभावक या उसके माता-पिता उसके रिश्तेदार यहां तक उसके प्रशिक्षक उन्हें कही से पैसा उधारी लेकर सर्वश्रेष्ठ खेल सामग्री, पोशाक उपलब्ध कराते हैं। छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके माता-पिता, अभिभावक,दूसरों के घर झाड़ू, पोछा करते हैं। आटो रिक्शा चलाते हैं। कुली का काम करते हैं। खोमचा-ठेला लगाकार फल बेचते हैं या गुपचुप ,आलू टिक्का, मोमोस, इडली,दोसा, चाय आदि बेचकर बच्चे का भविष्य बनाने के लिए अपनी गाढ़ी मेहनत के पैसा से बच्चों को खेल में आगे बढ़ने की चाहत को पूरा करते हैं। परंतु यह दुर्भाग्य की बात है कि समाज के ऐसे वर्ग से आये राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को आज आर्थिक अभाव और बेरोजगारी के दौर से गुजरना पड़ रहा है।उत्कृष्ट खिलाड़ियों की घोषणा के अभाव में ये अभावग्रस्त, निचले, तबके के खिलाड़ी दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। पिछले दस वर्षों में अलग अलग राजनीतिक दलों की सरकार आई व चली गई परंतु नीति निर्धारण करने वाले प्रशासनिक अधिकारी तो वही है। वस्तुतः ऐसे ही अधिकारियों से पूछ परख होनी चाहिए कि खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का लाभ समय रहते किस कारण से नहीं दिया . और अपने कर्तव्य का पालन ठीक से क्यों नहीं किया?कई उत्कृष्ट खिलाड़ियों के खेलने की उम्र निकल गई आखिर उसके जिम्मेदार भी ये ही अधिकारी हैं। ऐसा माना जा रहा है कि अधिकारियों की लापरवाही से छत्तीसगढ़ में आज सैकड़ों बच्चे,किशोर तथा युवाओं के मन मस्तिष्क में खेलकूद के प्रति लगाव कम हुआ है . चर्चा तो यह भी है कि उधारी लेकर या ऋण लेकर बच्चों को खेल में आगे बढ़ाने वाले माता पिता और अभिभावक भी अब अपने नन्हें मुन्नो को खेल में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने से हिचकिचा रहे हैं .

नगरीय निकायों को मरम्मत-संधारण के लिए 22.6 करोड़ की आपात निधि जारी

रायपुर. 25 जून.नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को मरम्मत और संधारण कार्यों के लिए 22 करोड़ 6 लाख रुपए की आपात निधि जारी की है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर संचालनालय ने सभी निकायों को राशि हस्तांतरित कर दी है। विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही अप्रैल से जून के लिए यह राशि जारी की गई है। नगरीय प्रशासन विभाग ने मरम्मत-संधारण आपात निधि के रूप में राज्य के 14 नगर निगमों को कुल 13 करोड़ 76 लाख रुपए जारी किए हैं।

केंद्रीय गोंड महासभा ने रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 25 जून। चन्देलो की बेटी गोंडवाना की रानी चण्डी थी महचण्डी थी वह दुर्गावती भवानी थी और भारतीय इतिहास की वीरांगना रानी दुर्गावती कीआज 462वी बलिदान दिवस मनाया गया केन्द्रीय गोंड महासभा धंमधा गढ़ एवं तहसील इकाई दुर्ग व मुंडा परिक्षेत्र बघेरा दुर्ग के तत्वावधान में कंचना धुरवा देवालय सिविल लाईन दुर्ग में रानी दुर्गावती के प्रतिमा पर पूजा अर्चना श्रीफल तोड़कर माल्यार्पण किया तत्पश्चात रानी दुर्गावती की जय घोष कर नारे लगाए उसके पश्चात समाज प्रमुख केन्द्रीय गोंड महासभा धंमधा गढ़ के उपाध्यक्ष यशपाल मंडावी ने रानी दुर्गावती जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा किए गए समाज

हित एवं देश हित के लिए कार्य इसमरण करायें तत्पश्चात तहसील उपाध्यक्ष बहादुर सिंह नेताम ने रानी दुर्गावती ने मुगल साम्राज्य से किस प्रकार लड़ाई वह लड़ते हुए अपनी आन बान और शान की लड़ाई लड़ते हुए अपनी ही कटार अपनी छाती पर कटर धोप कर अपनी प्राण त्याग दिये मगर दुश्मन के साथ नहीं लगी ऐसी ही वीरांगना रानी दुर्गावती थी मातृशक्ति की ओर से उषा ठाकुर उपाध्यक्ष ने भी संबोधित की तत्पश्चात मुंडा परिक्षेत्र बघेरा में भी रानी दुर्गावती की बलिदान दिवस पर महिलाओं और बच्चों के लिए कुर्सी दौड़ गोली चम्मच जलेबी दौडऔर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित की गई इस अवसर पर केन्द्रीय गोंड महासभा धंमधा गढ़ के उपाध्यक्ष यशपाल मंडावी जी महासचिव गोरे लाल ठाकुर कोषाध्यक्ष धनेश्वर धुर्वे तहसील अध्यक्ष चुरामन कतलम महावीर ठाकुर बसंत ठाकुर पूर्व तहसील अध्यक्ष गजराज नेताम तुलसी ठाकुर मनहरण ठाकुर नोविल ठाकुर श्रीमती उषा ठाकुर उपाध्यक्ष तामेशवरी ठाकुर ममता ठाकुर श्यामा ठाकुर उषा धुर्वे कुमारी होमांशू कुंजाम शिवकुमारी मरकाम प्रभा मरकाम तहसील उपाध्यक्ष बहादुर सिंह नेताम और समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे अंत में खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए उन्हें समाज के द्वारा सम्मानित किए और सभी अपील की समाज सभी को एक लेकर चले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ाने सहयोग करें ।

महिला से शादी व तबादले के नाम पर युवक ने की 60 हजार रुपए की ठगी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जून। रायपुर निवासी आरोपी द्वारा पीड़िता को शादी का झांसा देकर एवं उसका स्थानांतरण करा दिए जाने का झांसा देकर 600000 रुपए की धोखाधड़ी की गई। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 318 (4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता सुषमा ठाकुर निवासी नयापारा 36 वर्ष शासकीय प्राथमिक शाला नवागांव विकासखंड धमधा जिला दुर्ग में पदस्थ है। उसके पति राजेंद्र कुमार ठाकुर का 24 अक्टूबर 2024 को स्वर्गवास हो गया है। वह अपनी सास एवं दो नाबालिग बच्चों के साथ रहती है। 23 मई 2026 को जीवनसाथी एप के माध्यम से एक मोबाइल धारक अर्जुन कसेर नामक व्यक्ति से उसकी मोबाइल पर बातचीत हुई। अर्जुन कसेर ने कहा कि मैं भी तलाकशुदा हूं और सिंचाई विभाग में क्लर्क के पद पर नौकरी करता हूं। मैं भी दूसरी शादी करना चाहता हूं। आप मेरे से शादी करोगी क्या इस के बाद लगातार अर्जुन कसेर पीड़िता को फोन करके बार-बार झांसा देने लगा कि तुम्हारा स्थानांतरण शासकीय प्राथमिक शाला नवागांव पुरदा से रायपुर के आसपास 15 किलोमीटर के दायरे में करवा दूंगा। 7 लाख रुपए लगेगा और तुम्हारा स्थानांतरण हो जाएगा अर्जुन ने कहा कि किसी भी तरह उसे 6 लाख रुपए दे दो, एक लाख में स्वयं मिलाकर तुम्हारा स्थानांतरण धमधा से रायपुर के आसपास हो जाएगा। इसके बाद में तुमसे शादी कर लूंगा और दोनों पति-पत्नी की तरह रहेंगे। पीड़िता सुषमा ठाकुर ने पैसे दे दिए शंका होने पर पीड़िता ने 4 जून को अर्जुन कसेर को मोबाइल पर कॉल की और कहा कि आपने तलाकशुदा होने की झूठी जानकारी दी, नौकरी करने की झूठी बात कही, मेरा स्थानांतरण करने की बात कह कर मुझे धोखा दे रहे हो। मैं अब तुमसे शादी नहीं करूंगी और ना ही मुझे स्थानांतरण करवाना है। मुझे मेरा पैसा वापस कर दो। इस पर आरोपी टालमटोल करता रहा पीड़िता ने मांगे तलाक के कागज व ज्वाइनिंग लेटर वहीं 1 जून को पीड़िता सुषमा ठाकुर ने अर्जुन कसेर से कहा कि तुम तलाकशुदा हो तो तलाक प्रमाण पत्र दिखाओ और व्हाट्सएप पर उसे भेजो वहीं अपनी सिंचाई विभाग नौकरी क्लर्क पद जॉइनिंग आदेश कॉपी व्हाट्सएप करो। इस पर अर्जुन ने कहा कि तलाक के कागजात एवं ज्वाइनिंग आदेश कॉपी मेरे पिताजी के पास है। मैं बाद में भेजूंगा। पीड़िता द्वारा बार-बार तलाक प्रमाण पत्र एवं नौकरी ज्वाइनिंग आदेश कॉपी मांगने पर आरोपी टाल मटोल करते रहा

एक नजर

ट्रैफिक पुलिस ने 107 वाहनों का चालान किया

भिलाई, 25 जून (तछसं.)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर नो-पार्किंग में खड़े 107 वाहनों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने ई-चालान की कार्रवाई की। पुलिस ने गाड़ियों को जब्त कर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की है राष्ट्रीय ट्रैफिक एएसपी ऋचा मिश्रा ने बताया कि जिले में सुरक्षित एवं सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राजमार्ग एवं शहर के व्यस्त क्षेत्रों में नो-पार्किंग अभियान चलाकर सड़क व हाईवे पर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों की सघन जांच की गई। अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत ई-चालान जारी कर कार्रवाई की गई। बाजार में भी चलेगा ई-चालानी अभियान ट्रैफिक एएसपी ने बताया कि इसके अतिरिक्त शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों व व्यस्त मार्गों में विशेष जांच अभियान चलाकर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। आगे बाजारों में नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफभी ई-चालानी कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस ने अपील की है कि अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और आम नागरिकों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सम्मानित

भिलाई, 25 जून (तछसं.)। जिला दुर्ग डायल 112 में पदस्थ कर्मचारियों एवं चालकों की बैठक आयोजित की गई बैठक में डायल 112 के माध्यम से प्राप्त होने वाले इवेंटों पर त्वरित, प्रभावी एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित करने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए बैठक के दौरान ग्रामीण एवं शहरी थाना क्षेत्रों में संचालित ईआरयू वाहनों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई तथा घटनास्थल पर समयबद्ध पहुंचकर पीड़ितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने, आम नागरिकों से शालीन व्यवहार रखने, आपातकालीन परिस्थितियों में बेहतर समन्वय स्थापित करने एवं सेवा की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु निर्देश दिए गए साथ ही सी-4 रायपुर से प्राप्त इवेंटों में उत्कृष्ट कार्य कर समय पर सहायता पहुंचाने वाले डायल 112 के स्टार कर्मचारियों एवं चालकों को उत्साहवर्धन हेतु कैश रिवार्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया दुर्ग डीआईजी विजय अग्रवाल ने कहा कि डायल 112 पुलिस और आमजन के बीच त्वरित सहायता का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रत्येक कर्मचारी एवं चालक अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण संवेदनशीलता, तत्परता एवं अनुशासन के साथ करें किसी भी आपात स्थिति में समय पर पहुंचकर पीड़ितों को सहायता उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए ।

पिता की हत्या के मामले में पुत्र गिरफ्तार

भिलाई, 25 जून (तछसं.)। दुर्ग बोरी थाना क्षेत्र के पारिवारिक विवाद के बाद आरोपी बेटे द्वारा पिता की हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है इस मामले में खास बात यह रही की बेटे ने ही हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद खुद थाना पहुंचकर पिता की मौत हो जाने की सूचना दी थी। पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने शक के आधार पर बेटे को पूछताछ में लिया। बेटे ने अपना अपराध स्वीकार किया। बोरी पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ धारा 103(1), 238 के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया और उसे न्यायालय में पेश किया है बोरी पुलिस ने बताया कि 17 जून को 19 वर्षीय नीलकमल साहू ने बोरी थाना में पहुंचकर सूचना दी थी कि उसके पिता कुलेश्वर साहू (39 साल) का शव घर के अंदर पड़ा हुआ है और शव से दुर्गंध आ रही है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस को घर के पिछले हिस्से के कमरे में कुलेश्वर साहू का शव सड़ी गली अवस्था में मिला था शव का सिर काला पड़ चुका था और सिर में गंभीर चोट के निशान पाए गए थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। 27 जून को पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि मौत किसी भारी वस्तु से वार करने के कारण हुई है और हत्या लगभग दो-तीन दिन पूर्व हुई थी। मामला हत्या का होने पर पुलिस ने हर पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच प्रारंभ कर दी थी। सूचना देते समय नीलकमल ने बताया था कि उसके पिता मानसिक रूप से अस्वस्थ रहते थे और परिवार से अलग रहते थे तथा दो महीने पहले पारिवारिक विवाद के बाद परिवार के अन्य सदस्य रिश्तेदारों के घर चले गए थे। मामले में पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने गहनता से जांच की और उन्हें कई अहम सुराग मिले। इनको यह भी जानकारी मिली कि कुलेश्वर साहू एवं उसके पुत्र नीलकमल साहू के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था विवाद के दौरान आरोपी ने अपने पिता के साथ मारपीट की थी पुलिस में संदेह के आधार पर मृतक के बेटे नीलकमल साहू को पूछताछ में लिया।

एनडीए और आईआईटी तक पहुंची सेक्टर-10 स्कूल की प्रतिभा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जून। सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर.10 में बुधवार को आयोजित सम्मान समारोह में अटल टिंकरिंग लैब एटीएल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और उनके मेंटरों को उनकी नवाचारपूर्ण उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक शिक्षा सुश्री शिखा दुबे उपस्थित रहीं। उनके साथ महाप्रबंधक प्रभारी सम्पर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क अमूल्य प्रियदर्शी, उप महाप्रबंधक श्रीमती अपर्णा चंद्रा, सहायक महाप्रबंधक जवाहर बाजपेयी तथा उप प्रबंधक सुश्री शालिनी चौरसिया सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि एटीएल के पूर्व सदस्य और वर्तमान में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के लिए चयनित नेत्रांश साहू तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई में चयनित कुणाल देवांगन ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। एटीएल के मेंटर एवं वरिष्ठ व्याख्याता तरुण कुमार साहू

ने विद्यार्थियों द्वारा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में हासिल उपलब्धियों की जानकारी दी। अपने संबोधन में सुश्री शिखा दुबे और अमूल्य प्रियदर्शी ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा केवल तकनीकी रूप से दक्ष ही नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बनें। इस अवसर पर अभिजय चौधरी अलौकिक चौधरी और अमीन खान को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं एटीएल के मेंटर तरुण कुमार साहू को विद्यार्थियों के मार्गदर्शन और नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। महाप्रबंधक शिक्षा सुश्री शिखा दुबे तथा स्कूल की प्राचार्य सुश्री सुमिता सरकार को भी विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए प्रशंसा प्रमाण-पत्र दिए गए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अपर्णा चंद्रा ने कियाए जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य सुश्री सुमिता सरकार ने प्रस्तुत किया।

10 ग्राम पंचायतों में ओपन जिम निर्माण के लिए 60 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग, 25 जून । कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में 10 विकास कार्यों के लिए कुल 60 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अहिवारा विधानसभा के धमधा विकासखंड के अंतर्गत कुल 10 ग्राम पंचायतों में ओपन जीम निर्माण कार्य की स्वीकृति दी गई है।

पावर हाउस रेलवे स्टेशन के सामने फैला कबाड़ जब्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जून। नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने और सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से फैलाई गई कबाड़ सामग्री के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जोन-3 मदर टेरेसा नगर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 36 में निगम की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थल पर फैलाई गई कबाड़ सामग्री को जब्त किया। जानकारी के अनुसार पावर हाउस रेलवे स्टेशन के सामने स्थित जगदम्बा स्वीट्स के पास कुछ कबाड़ियों द्वारा बड़े पैमाने पर कबाड़ एवं कचरा सामग्री फैला कर रखी गई थी। शिकायत मिलने पर निगम अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया, जहां पाया गया कि फैली हुई सामग्री के कारण क्षेत्र की स्वच्छता प्रभावित हो रही थी और आम नागरिकों व राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए निगम की टीम ने संबंधित कबाड़ियों के विरुद्ध कार्रवाई कर कबाड़ सामग्री जब्त की। इस दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक तथा राजस्व विभाग के सुपरवाइजर सहित निगम का अमला उपस्थित रहा। नगर निगम का कहना है कि स्वच्छ भिलाई के निर्माण के लिए नियमित निरीक्षण और प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पट्टे की जमीन का चिन्हांकन कर कब्जा दिलाने महिला ने कलेक्टर से लगाई गुहार

दुर्ग, 25 जून । जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अपर कलेक्टर श्रीमती सिल्ली थॉमस भी उपस्थित थीं। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 140 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में प्राप्त विभिन्न आवेदनों पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर जानकारी ली ।

ग्राम सभा में पीएम आवास के हितग्राहियों का नाम पढ़ा गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 25 जून। विशेष ग्राम सभा में 448 प्रधानमंत्री आवास लाभार्थियों के नामों का वाचन, पक्का मकान पाने का सपना होगा साकार/रवि सिंगौरजनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत सांकरा में आज 24 जून को छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री आवास योजना के 448 पात्र हितग्राहियों के नामों का सार्वजनिक वाचन किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम के प्रमुख नागरिकों के साथ ग्राम पंचायत के सरपंच रवि सिंगौर, सचिव ईश्वर निषाद एवं पंचगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। ग्राम सभा के दौरान हितग्राहियों को योजना की जानकारी देते हुए पारदर्शिता के साथ पात्रता सूची का वाचन किया गया।इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच रवि सिंगौर ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब पात्र हितग्राहियों को पक्का मकान मिलना सुनिश्चित हो गया है। उन्होंने बताया कि विशेष ग्राम सभा में 448 पात्र लोगों के नामों का वाचन किया गया है। इससे वर्षों से अपने पक्के घर का सपना देख रहे परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी और उनका सपना शीघ्र ही साकार होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि योजना के माध्यम से सभी पात्र हितग्राहियों को आवास का लाभ मिलेगा तथा प्रत्येक परिवार अपने स्वयं के पक्के मकान में सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकेगा।

झुका हुए साइन बोर्ड से हादसे की आशंका, निगम से कार्रवाई की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जून। शिवसेना (यूबीटी) भिलाई जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नगर निगम प्रशासन का ध्यान पावर हाउस चौक से नंदिनी रोड जाने वाले मार्ग पर लगे एक क्षतिग्रस्त यातायात साइन बोर्ड की ओर आकर्षित कराया है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा लगाया गया यातायात सुरक्षा निर्देश देने वाला साइन बोर्ड हाल ही में आए आंधी-तूफान के कारण एक ओर झुक गया है। यह बोर्ड सड़क की दिशा में झुका हुआ है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। राजू गुप्ता ने कहा कि जिस दिशा में साइन बोर्ड झुका हुआ है, उसके ठीक पास से विद्युत तार भी गुजर रहे हैं। तेज हवा या बारिश के दौरान बोर्ड के बिजली तारों से टकराने की संभावना से इनकार नहीं किया जा

सकता। ऐसी स्थिति में बड़ा हादसा होने के साथ जनहानि की आशंका भी उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उक्त साइन बोर्ड की तत्काल मरम्मत अथवा उसे सुरक्षित रूप से हटाने की कार्रवाई की जाए, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके।

सिरसा अंडरब्रिज दो माह 1 जुलाई से 31 अगस्त तक बंद रहने से यातायात रहेगा प्रभावित

भिलाई, 25 जून। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल अंतर्गत भिलाई-3 स्थित सिरसा अंडर ब्रिज के मरम्मत कार्य के लिए सड़क यातायात को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, 1 जुलाई को सुबह 8 बजे से 31 अगस्त को शाम 6 बजे तक सिरसा अंडर ब्रिज से आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। इस दौरान अंडर ब्रिज में आवश्यक मरम्मत एवं संरचनात्मक सुधार कार्य किए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अंडर ब्रिज की मरम्मत रेल परिचालन और यात्रियों की सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। संरक्षा मानकों को बनाए रखने तथा भविष्य में किसी भी संभावित दुर्घटना की आशंका को रोकने के लिए यह कार्य किया जा रहा है। मरम्मत अवधि के दौरान क्षेत्र के नागरिकों और वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने तथा रेलवे प्रशासन द्वारा जारी यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने जिला प्रशासन की कार्रवाई कर रहा

दुर्ग, 25 जून । कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन में शासकीय संपत्तियों को सुरक्षित रखने और अवैध कब्जों को हटाने विधि सम्मत कार्रवाई जारी है। इसी तारतम्य में मुस्तैदी का परिचय देते हुए धमधा तहसील अंतर्गत एक महत्वपूर्ण शासकीय आबादी भूमि को अतिक्रमण से पूरी तरह मुक्त कराया गया है। तहसीलदार धमधा श्रीमती मीना साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार, धमधा स्थित शासकीय आबादी भूमि खसरा नंबर 1719/1 के आंशिक भाग (रकबा 1525 वर्गफीट) पर अनावेदक संतु यादव पिता कार्तिक यादव द्वारा अनाधिकृत रूप से टीन शेड लगाकर अतिक्रमण किया गया था। इस शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए राजस्व विभाग द्वारा नियमानुसार जांच व सुनवाई की गई तथा अनावेदक के विरुद्ध बेदखली आदेश पारित किया गया।

नौसेना के 3 अत्याधुनिक जहाजों को बनाने में सेल के विशेष स्टील का उपयोग किया गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जून। महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने भारतीय नौसेना की शक्ति बढ़ाने में एक बार फिर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कंपनी ने हाल ही में भारतीय नौसेना में शामिल किए गए तीन अत्याधुनिक जहाजों–आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस अग्रय और आईएनएस संशोधक–के निर्माण के लिए लगभग 5,700 टन विशेष रक्षा-ग्रेड स्टील की आपूर्ति की है। इन तीनों जहाजों को 21 जून को कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल किया गया। यह उपलब्धि भारत की समुद्री सुरक्षा और रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। सेल ने इन युद्धपोतों के निर्माण के लिए उच्च गुणवत्ता वाली डीएमआर 249 ए ग्रेड हॉट-रोल्ड शीट एवं प्लेट उपलब्ध कराई। इस विशेष रक्षा-ग्रेड स्टील का उत्पादन कंपनी के बोकारो, भिलाई और राउरकेला इस्पात संयंत्रों में किया गया। सेल इससे पहले देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत तथा प्रोजेक्ट-17 ए के स्टील्थ फ्रिगेट्स आईएनएस नीलगिरि, आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि के निर्माण में भी विशेष स्टील उपलब्ध करा चुका है। इसके अलावा आईएनएस अजय, आईएनएस निस्तार और आईएनएस अंजदीप जैसे महत्वपूर्ण नौसैनिक प्लेटफॉर्मों में भी सेल के स्टील का उपयोग किया गया है। सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा कि कंपनी भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सीएम हेल्पलाइन और ई-ऑफिस के प्रभावी संचालन की बैठक में की गई समीक्षा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जून। नगर निगम में सीएम हेल्पलाइन 1076 और ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। आयुक्त राजीव कुमार पांडेय की उपस्थिति में निगम सभागार में आयोजित बैठक में मुख्य कार्यालय एवं सभी जोन कार्यालयों के अधिकारी, लिपिक और कम्प्यूटर ऑपरेटर शामिल हुए। बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन पोर्टल एवं ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन में आ रही तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा कर उनके समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों को बताया गया कि सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें तथा ई-ऑफिस प्रणाली का अधिकतम उपयोग करते हुए कार्यालयीन कार्यों को पेपरलेस, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाएं। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित कार्यप्रणाली से न केवल प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी, बल्कि आम नागरिकों को भी बेहतर और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

निधन

ए.सी. छबलानी

भिलाई, 25 जून। सिंधी ब्रादर मंडल के संरक्षक एवं भिलाई

इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक ए.सी. छबलानी का निधन हो गया। उनके निधन से सिंधी समाज एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। हुडको निवासी छबलानी लंबे समय तक भिलाई इस्पात संयंत्र में सेवाएं देने के साथ-साथ सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे। उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। सिंधी ब्रादर मंडल के अध्यक्ष जय कुमार अम्बवानी ने छबलानी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी

आयुक्त ने नाला सफाई का जायजा लेकर समुचित सफाई करने के दिये निर्देश

तुलसीपुर नाली निर्माण देख पानी निकासी के लिए पर्याप्त ढाल रखने कहा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 जून। शहर की ड्रेन व्यवस्था सुचारू रूप से चले एवं बारिश में पानी भरान व अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो यह सुनिश्चित करने नगर निगम द्वारा बरसात के पूर्व शहर के बड़ो एवं प्रमुख नालो एवं पानी भरान स्थल की सफाई युद्ध स्तर पर कराई गयी है और वर्तमान में दुसरे चरण की सफाई जारी है। आज आयुक्त अतुल विश्वकर्मा प्रातः सफाई व्यवस्था देखने की कडी में शहर में चल रहे नाली नालों की सफाई का निरीक्षण कर पानी भरान क्षेत्रों में साफसफाई कर पानी निस्तारी की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये, ताकि बारिश का पानी वार्डो में न भरे। आयुक्त विश्वकर्मा आज प्रातः शहर के इदिरा नगर, गंज चैक, गोल बाजार में सफाई व्यवस्था का जायजा लेकर इंदिरा नगर एवं गंज चैक में चल रहे नाला सफाई देख कहा कि नाला के निचले स्तर से कचरा निकाले, नाली में लगे जाली निकालने कहा ताकि पानी का सुचारू बहाव हो। उन्होने कहा कि सभी नालो की अच्छे से सफाई की जाए, जिन नालो की सफाई चल रही है वहा उन नालो की बारिश के पानी की समुचित निकासी के आधार पर सफाई करना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि पानी भरान क्षेत्र के नाली नालो की भी अच्छी तरीके से सफाई की जाए। नाला सफाई में आ रही बाधा को भी दूर कर सफाई करें, ताकि उस क्षेत्र में बारिश का पानी न भरे। आयुक्त विश्वकर्मा ने गोल बाजार का निरीक्षण कर बाजार क्षेत्र के नाली की प्रतिदिन सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सब्जी पसरा वालो को नाली में कचरा न डालने, गंदगी न फैलाने समझाईस देवे, नाली में कचरा जाने से पर्याप्त बहाव के अभाव में बारिश का पानी बाजार में भर जायेगा, जिससे निजात दिलाना है। उन्होंने बाजार के आकाक्षी शौचालय को जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार तुलसीपुर में निर्माणाधीन नाली का जायजा लेकर काम में तेजी लाकर समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाली निर्माण में ढलान का विशेष ध्यान रखा जाए जिससे पानी की पर्याप्त निकासी हो सके। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी की समुचित निकासी की व्यवस्था हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। किसी भी क्षेत्र में बारिश का पानी न भरे इसके लिए अभी से चिन्हांकित कर सफाई कराना सुनिश्चित करे।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजनांतर्गत जिपं सदस्यों को दिया गया प्रशिक्षण

बालोद, 25 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजनांतर्गत 18 से 19 जून 2026 तक जिला पंचायत संसाधन केन्द्र बालोद में जिला पंचायत के नवनिर्वाचित सदस्यों का 'पंचायत विकास योजना सह पंचायत उन्नति सूचकांक' विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में जिला पंचायत के सभी नवनिर्वाचित सदस्य उपस्थित हुए।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी के निर्देशानुसार विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को 16वें वित्त आयोग की नवीन गाइडलाइन के अनुसार पंचायत विकास योजना, पचांयत विकास सूचकांक सहित शासन की महत्वाकांक्षी योजना ठोस अपशिष्ट नियम 2026, वीबी जी राम जी के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उक्त प्रशिक्षण का संचालन उपसंचालक पंचायत काव्या जैन की उपस्थिति में किया गया।

समाचार संक्षेप

जिला अस्पताल के डायलिसिस केंद्र से मिल रही किडनी मरीजों को मदद, अब तक 14 हजार से अधिक सेशन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 25 जून। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने द जिला अस्पताल में आम जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा सतत रूप प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में अस्पताल का डायलिसिस केंद्र किडनी रोगियों को अपनी गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान कर रहा है। सिविल सर्जन डॉ अशोक वर्मा ने बताया कि अस्पताल में डायलिसिस सेवा 2023 से मरीजों को मिल रही है। यह पूरी तरह निःशुल्क है। तब से लेकर अब तक डायलिसिस के 14410 सेशन हो चुके हैं। कुल 197 पंजीकृत मरीज हैं जिन्होंने इसका लाभ लिया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय निःशुल्क डायलिसिस कार्यक्रम के तहत जिले में यह सुविधा उपलब्ध है जो पूरी तरह निःशुल्क है। 25 जून को अस्पताल में नए किडनी मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा ऑनलाइन परामर्श दिया जाएगा। जरूरतमंद मरीज इसका लाभ ले सकते हैं। अस्पताल में अपनी डायलिसिस करवाने आए भाटापारा के ग्राम गोगिया निवासी सुनील कुमार ने बताया कि यह उनका केंद्र में पहला सेशन है।इससे पहले दो सेशन उन्होंने बिलासपुर के निजी अस्पताल से लिया था जहाँ हर हफ्ते 7-8 हज़ार लग जाता था। जिला अस्पताल में यह निःशुल्क है जिससे उन्हें काफी राहत मिली है।

एक नजर

अशांति फैलाने वाले बदमाशों पर धारा 170 के तहत् की गई कार्रवाई

चिखली, 25 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे सतत अभियान के तारतम्य मे बदमाश 01. संदीप पटेल पिता स्व. संतराम पटेल उम्र 30 साल साकिन मोतीपुर वार्ड नं. 03 पुलिस चौकी चिखली जिला राजनांदगांव छ.ग., 02. छबिलाल निर्मलकर पिता स्व. जगन्नाथ निर्मलकर उम्र 26 साल साकिन मोतीपुर वार्ड नं. 08 काई तालाब के पास पुलिस चौकी चिखली, 03. शुभम यादव पिता रेखू यादव उम्र 27 साल साकिन चिखली रमन बाजार पुलिस चौकी चिखली जिला राजनांदगांव के द्वारा वाद विवाद कर शांति व्यवस्था भंग कर अप्रीय घटना घटित होने के संभावना पर बदमाशो के विरूद्ध पृथक-पृथक धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर माननीय न्यायालय राजनांदगांव पेश किया किया गया। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चन्द्र मरई, म.प्र.आर. वंदना पटले, आर. चन्द्रकपूर आयाम, सुनील बैरागी, आदित्य सोलंकी एवं चौकी चिखली स्टाफका महत्वपूर्ण भूमिका व सराहनीय योगदान रहा है।

गरीबों को पट्टा प्रदान कर आवास का लाभ देना मोदी सरकार की जनहितकारी योजना : कन्नौजिया

डोंगरगढ़, 25 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष

रामकृष्ण कन्नौजिया ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा गरीब परिवार को पट्टा प्रदान कर आवास योजना का लाभ दिए जाने की घोषणा का आभार प्रकट करते बताया गया कि छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 8 मई 2026 को जारी किए पत्र में राज्य के सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में 2017 से भूमि पर काबिज आवासहीन व्यक्ति को पट्टा प्रदान किए जाने की घोषणा के साथ राज्य के समस्त जिलाधीशों को 15 अगस्त 2026 तक छत्तीसगढ़ नगरीय क्षेत्रों के आवासहीन व्यक्ति को पट्टाधृति अधिकार नियम् 2023 के अंतर्गत सर्वे की कार्यवाही पूर्ण कराने अधिसूचित किया गया है।

वहीं राज्य शासन द्वारा इन नियमों के अंतर्गत जिले के समस्त नगरीय निकायों में सर्वे की कार्यवाही किया जाना है। सर्वे की कार्यवाही हेतु समुचित संख्या में राजस्व एवं नगरीय निकायों के अधिकारी/कर्मचारियों को सम्मिलित करते हुए, सर्वेक्षण दल का गठन किया जाना है। छत्तीसगढ़ नगरीय क्षेत्रों के आवासहीन व्यक्ति को पट्टाधृति अधिकार नियम 2023 में विहित प्रक्रिया एवं प्रावधान अनुसार सर्वे की कार्यवाही कर निर्धारित प्ररूप-क (नियम-3) में जानकारी

राजनांदगांव में 76 करोड़ की फर्जी बिल ट्रेडिंग का खुलासा, संचालक गिरफ्तार

राज्य कर विभाग की बड़ी कार्रवाई, 8.22 करोड़ रुपये की संदिग्ध आईटीसी का मामला उजागर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 24 जून। राज्य कर विभाग (स्टेट जीएसटी), छत्तीसगढ़ द्वारा कर चोरी एवं फर्जी बिलिंग के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए राजनांदगांव स्थित मैसर्स आदेश्वर ट्रेड लिंक के संचालक आदेश्वर चौरड़िया को गिरफ्तार किया गया है।

विभागीय जांच में सामने आया है कि फर्म द्वारा पिछले लगभग छह माह के दौरान करीब 76 करोड़ रुपये के लेन-देन केवल कागजी रूप से दर्शाए गए। उपलब्ध अभिलेखों, जीएसटी रिटर्न तथा अन्य दस्तावेजों के विश्लेषण में 8.22 करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) संदिग्ध पाई गई, जिसके माध्यम से शासन को राजस्व हानि पहुंचाने का प्रयास किया गया।

प्रारंभिक जांच में यह भी पाया गया कि फर्म ने पश्चिम बंगाल स्थित संदिग्ध फर्मों से आयरन एवं स्टील की वास्तविक खरीदी किए बिना करोड़ों रुपये के खरीदी बिल प्राप्त किए थे। इन बिलों के आधार पर फर्जी आईटीसी का लाभ लिया गया तथा आगे अन्य करदाताओं को भी इसका लाभ हस्तांतरित किया गया।

जांच के दौरान अधिकांश आपूर्तिकर्ता फर्मों के जीएसटी पंजीयन निरस्त पाए गए तथा उनके द्वारा वास्तविक व्यापार किए जाने के कोई विश्वसनीय साक्ष्य उपलब्ध नहीं हुए। विभाग के अनुसार यह पूरा लेन-देन केवल पेपर ट्रेडिंग (कागजी बिलिंग) एवं बोगस आईटीसी नेटवर्क का हिस्सा प्रतीत होता है।

जांच में यह भी सामने आया कि जिन फर्मों से खरीदी दर्शाई गई थी, उनमें से कई केवल फर्जी बिल जारी करने एवं अवैध आईटीसी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही थीं। उपलब्ध तथ्यों से संकेत मिलता है कि माल का वास्तविक आवागमन नहीं हुआ और केवल बिलों के माध्यम से कर लाभ प्राप्त करने की व्यवस्था बनाई गई थी।

प्रकरण में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने के बाद राज्य कर विभाग ने आदेश्वर चौरड़िया को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में कई अन्य व्यक्तियों एवं फर्मों के भी इस नेटवर्क से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। विभाग बैंक खातों, ई-वे बिल, परिवहन दस्तावेजों तथा संबंधित व्यापारिक इकाइयों की भूमिका की गहन जांच कर रहा है।

राज्य कर विभाग का मानना है कि आगे की जांच में इस फर्जी बिलिंग नेटवर्क से जुड़े और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ईमानदार करदाताओं के हितों की रक्षा तथा फर्जी बिलिंग और बोगस आईटीसी जैसे अवैध कृत्यों पर प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

रेलवे पार्किंग में लोगों से की जा रही है मनमाने राशि की वसूली

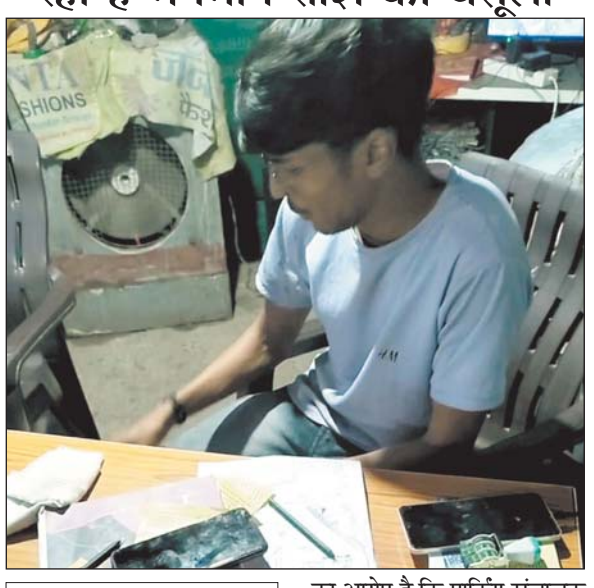

■ 5 मिनट देरी पर भी वसूला जा रहा पूरा शुल्क, नक्सल पीड़ित परिवारों को धमकी देने का आरोप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 25 जून। रेलवे स्टेशन परिसर पर स्थित पार्किंग की व्यवस्था को लेकर नक्सल हिंसा से पीड़ित परिवारों में आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित परिवारों का आरोप है कि पार्किंग संचालक द्वारा वाहन पार्किंग के समय में मामूली देरी होने डबल शुल्क वसूलने का विरोध करने पर उन्हें धमकी देकर पैसा वसूला गया। नाराज नक्सल पीड़ित परिवार अब रेलवे अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर पार्किंग व्यवस्था बंद करने और मनमानी पर रोक लगाने की मांग करेंगे। पीड़ित परिवार की मांग है कि, यात्रियों से लूट बंद हो, पार्किंग व्यवस्था में पारदर्शिता हो और दोषियों पर कार्रवाई हो।

अटल आवास में मकान दिलाने का झांसा देकर 8.17 लाख की ठगी फर्जी निगम कर्मचारी गिरफ्तार

राजनांदगांव, 25 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। अटल आवास एवं हाउसिंग बोर्ड में मकान दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को बसंतपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी स्वयं को नगर निगम राजनांदगांव का कर्मचारी बताकर लोगों को अपने झांसे में लेता था और अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से अच्छी पहचान होने का दावा कर विश्वास हासिल करता था।

पुलिस के अनुसार आरोपी योगेश्वर पाण्डे उर्फ सोनू पाण्डे (40 वर्ष), निवासी ग्राम मोहतरा थाना लोरमी जिला मुंगेली एवं वर्तमान निवासी इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी रायपुर, ने अटल आवास एवं हाउसिंग बोर्ड योजना के तहत मकान दिलाने के नाम पर प्रार्थी ईशनिवय सिंह सहित अन्य लोगों से कुल 8 लाख 17 हजार रुपये की ठगी की थी।

प्रार्थी द्वारा थाना बसंतपुर में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने अपराध क्रमांक 166/2026 के तहत धारा 318(4) भारतीय न्याय संहिता में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार पतासाजी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी का पता लगाया। अंततः आरोपी को रायपुर से हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहां उसने अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी एमन साहू, उपनिरीक्षक गोवर्धन देशमुख, उपनिरीक्षक जीवराज रावटे, प्रधान आरक्षक दीपक जायसवाल तथा आरक्षक कीर्तन अहीर, फागू साहू, चन्द्रशेखर श्रीवास सहित थाना स्टाफकी सराहनीय भूमिका रही।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए किफायती एवं उपयोगी

लोगों को इस योजना का लाभ लेना चाहिए : रूपचंद

■ सोलर प्लांट लगाने से रूपचंद भीमनानी के घर के बिजली के बिल में कमी आने से मिली राहत

■ ग्रीन एनर्जी से पर्यावरण को मिल रहा लाभ

■ जिले में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रति लोगों में रुझान बढ़ रहा है।

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 जून। शासन की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए किफायती और उपयोगी साबित हो रही है। सौर ऊर्जा अक्षय ऊर्जा का स्रोत है। यह न केवल पर्यावरण मित्र है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले में इस योजना के प्रति नागरिकों का रूझान बढ़ा है। ऊर्जा विभाग के प्रतिनिधि रूपचंद भीमनानी ने अपने स्टेशन रोड पुरानी सिविल लाईन स्थित निवास में छत पर 3 केवी क्षमता की सोलर इकाई स्थापित की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह योजना बहुत अच्छी है। उन्होंने दूरदर्शी सोच के साथ यह योजना प्रारंभ की है। जिससे हम बिजली के उपभोक्ता बनने के साथ-साथ बिजली उत्पादक भी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रीन एनर्जी प्रदूषण रहित होती है और इस योजना के माध्यम से पर्यावरण को भी लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पहले बिजली का बिल 10 हजार रूपए आता था, जो घटकर अब 6 हजार रूपए हो गया है। शासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत 1 लाख 8 हजार रूपए सब्सिडी मिली है, जिससे बचत हुई है। 2 साल बाद यह सोलर प्लांट निःशुल्क हो जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का जनमानस को अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए तथा अपने घर की छत पर सोलर प्लांट लगाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना बिजली के बिल से मुक्ति दिलाने तथा ऊर्जा संरक्षण की दिशा में कारगर साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से संयोजित होगा, जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई हो जाती है। इससे न केवल उपभोक्ता के घर का बिजली बिल शून्य हो जाता है, बल्कि ग्रिड में दी गई बिजली के एवज में अतिरिक्त आय भी प्राप्त होती है। रूफटॉप सोलर संयंत्र की क्षमता अनुसार लागत राशि एवं सब्सिडी अलग-अलग है। उपभोक्ता द्वारा सोलर प्लांट के ब्रांड चयन कर सकते है। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत 1 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट पर केन्द्र सरकार द्वारा 30 हजार रूपए एवं राज्य शासन द्वारा 15 हजार रूपए कुल 45 हजार रूपए सब्सिडी प्रति प्लांट दिए जाने का प्रावधान है। इसी तरह प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत 2 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट पर केन्द्र सरकार द्वारा 60 हजार रूपए एवं राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए कुल 90 हजार रूपए तथा 3 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट पर केन्द्र सरकार द्वारा 78 हजार रूपए एवं राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए कुल 1 लाख 8 हजार रूपए सब्सिडी प्रति प्लांट दिए जाने का प्रावधान है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में छग राज्य सहकारी उत्पाद की दुकान का शुभारंभ

■ मरीजों को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती सुविधाएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 25 जून। मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी उत्पाद की दुकान का विधिवत उद्घाटन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक दिलीप शुक्ला, चिन्मय पाठक सहित बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह ने इस महत्वपूर्ण पहल के साक्षी बनकर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। अस्पताल परिसर में उत्पाद की दुकान प्रारंभ होने से मरीजों, उनके परिजनों तथा आम नागरिकों को आवश्यक वस्तुएं एक ही स्थान पर सहज एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध हो सकेंगी। यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सहयोग प्रदान करेगी, बल्कि सहकारिता के माध्यम से जनसुविधाओं के विस्तार का भी उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी। उद्घाटन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि अस्पतालों में आने वाले मरीज एवं उनके परिजन अक्सर आवश्यक सामग्री की उपलब्धता के लिए भटकते हैं। ऐसे में सहकारी उत्पाद की दुकान उनकी जरूरतों को पूरा करने के साथ समय और धन दोनों की बचत करेगी। साथ ही स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलने से स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तिकरण को भी नई दिशा मिलेगी। जनहित को केंद्र में रखकर शुरू की गई यह पहल मरीजों के लिए राहत का माध्यम बनेगी तथा सहकारिता की भावना को मजबूत करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य को सार्थक करेगी।

बारिश पूर्व अभियान के तहत शहर के छोटे-बड़े नालों एवं नालियों की सफाई गैंग एवं जेसीबी से की जा रही

निगम ने सफाई, जल निकासी, सौंदर्यीकरण,सड़क मरम्मत का काम तेज किया

■ आंधी-बारिश के कारण 33/11 केवी सब स्टेशन में आयी तकनीकी खराबी को ठीक कर मोहारा जल संयंत्र में विद्युत आपूर्ति की गई बहाल

■ नगर निगम ने नागरिकों से शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करने, नालियों में कचरा न डालने तथा पौधों के संरक्षण में सहयोग की अपील की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 जून। नगर पालिक निगम राजनांदगांव द्वारा शहर में स्वच्छता, जल निकासी, सड़क मरम्मत, पौधों के संरक्षण तथा सौंदर्यीकरण कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों पर कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था: नगर निगम के स्वास्थ्य अमला द्वारा नियमित रूप से फ्लाईओवर के नीचे एवं शहर के विभिन्न वार्डों की साफ-सफाई की जा रही है। आंधी-तूफान के कारण फ्लाईओवर के नीचे फैले सूखे पत्तों एवं कचरे की सफाई कर दी गई है। बारिश पूर्व अभियान के तहत शहर के छोटे-बड़े नालों एवं नालियों की सफाई गैंग एवं जेसीबी मशीनों के माध्यम से की जा रही है। प्रथम चरण की सफाई पूर्ण होने के बाद शेष नालों की द्वितीय चरण में सफाई जारी है। कलेक्टोरेट परिसर की नालियों में आंधी-तूफान के कारण पत्ते जमा होने से अवरोध उत्पन्न हुआ था, जिसे प्राथमिकता से साफकिया जा रहा है। डॉक्टर कॉलोनी, बलदेव बाग तथा अन्य जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में भी नालियों की सफाई की जा रही है। नालियों पर हुए अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई भी प्रस्तावित है।

सड़कों के रखरखाव एवं मरम्मत की तैयारी: निगर निगम के स्टेशनपारा से रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क सहित शहर की कई

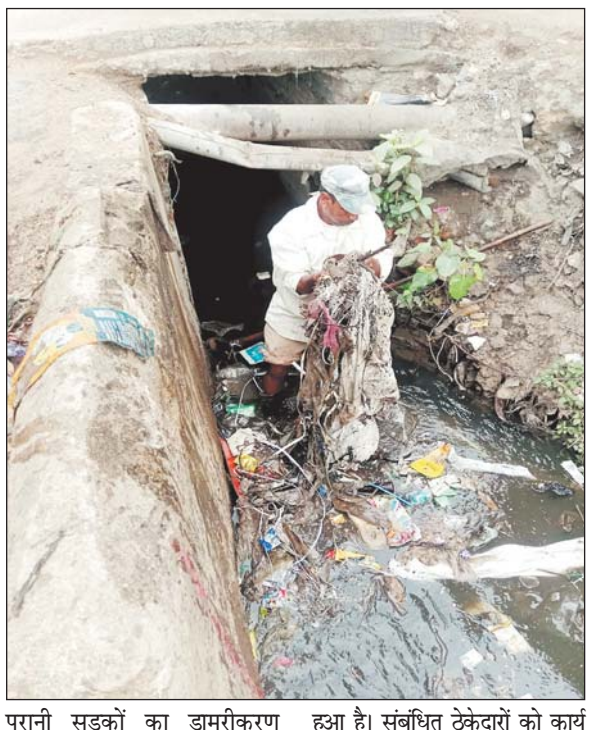

पुरानी सड़कों का डामरीकरण प्रस्तावित है। वर्तमान में डामर उपलब्ध नहीं होने से कार्य प्रभावित हुआ है। संबंधित ठेकेदारों को कार्य शीघ्र प्रारंभ करने नोटिस जारी किए गए हैं। डामर उपलब्ध होते ही सड़कों में पेचवर्क एवं मरम्मत कार्य कराया जाएगा। मोहारा-सिंगदई मार्ग, कलेक्टोरेट गार्डन के समीप सर्विस रोड, गौरव पथ तथा अन्य स्थानों पर सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं। वार्डों में सीसी रोड एवं नाली निर्माण के लिए पार्षदों से प्रस्ताव आमंत्रित कर शासन को भेजे गए हैं।

हरित क्षेत्र एवं पौधों के संरक्षण पर विशेष ध्यान: शहर के डिवाइडरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए पौधों को गर्मी से बचाने के लिए नियमित रूप से टैंकरों के माध्यम से सिंचाई की जा रही है। कलेक्टोरेट परिसर एवं अन्य क्षेत्रों में झुके हुए पौधों को पुनः व्यवस्थित किया जा रहा है तथा बड़े वृक्षों की आवश्यक छंटाई भी की जा रही है। आगामी वर्षा ऋतु में पौधरोपण के लिए सुरक्षित स्थलों का चयन किया जा रहा है।

सौंदर्यीकरण कार्यों को मिलेगी गति : शहर के प्रमुख चौक-चौराहों एवं डिवाइडरों के सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। स्वीकृति प्राप्त होने के बाद सौंदर्यीकरण कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। रानी सागर एवं बूढ़ा सागर क्षेत्र में पूर्व में असामाजिक तत्वों द्वारा क्षति पहुंचाए जाने के मामलों में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। शासन के बजट में उक्त क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के लिए प्रावधान किया गया है। लक्ष्मण झूला की मरम्मत प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है तथा शीघ्र ही इसे पुनः शुरू किया जाएगा।

जलापूर्ति एवं विद्युत व्यवस्था बहाल: आंधी-बारिश के कारण 33/11 केवी सब स्टेशन में आयी तकनीकी खराबी के कारण विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने से मोहारा जल संयंत्र की बिजली बाधित रही। जिसे समय पर ठीक कर लिया गया। विद्युत आपूर्ति बहाल होने के बाद टंकियों को भरकर नियमित जलापूर्ति पुनः शुरू कर दी गई है। मोहारा सर्विस रोड की स्ट्रीट लाइटें भी शॉर्ट सर्किट के कारण बंद हो गई थीं, जिन्हें निगम के विद्युत अमले द्वारा सुधार दिया गया है।

सात बच्चों को कोख में खोने के बाद डॉ.सुरभि मोहबे ने दिलाया मातृत्व सुख

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 25 जून। डॉ. सुरभि मोहबे हॉस्पिटल कंचनबाग, डी मार्ट रोड की संचालक एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरभि ने एक नायाब कार्य कर ग्रामीण महिला को लंबे समय बाद मातृत्व सुख का आनंद दिलाया है। प्रसूता ने इससे पूर्व सात बच्चों को अपनी कोख में ही खो दिया था। 16 वर्ष पूर्व वैवाहिक बंधन में बंधने के बाद से वह इस सुख के लिए तरस रही थी। इस आठवें गर्भ की स्थिति में भी वही बी पी की समस्या बनी हुई थी। डॉ.सुरभि ने बड़ी सावधानी पूर्वक इलाज करते हुए स्वस्थ बच्ची का जन्म कराया। छत्तीसगढ़ के इतिहास में स्वास्थ्यगत सुविधा और नायाब कार्यप्रणाली द्वारा डॉ.सुरभि मोहबे ने एक महिला को मातृत्व सुख प्रदान कर न केवल साहू परिवार का दिल जीत लिया वरन उस परिवार में लक्ष्मी रूपी कन्या का जन्म भी कराया। गौरतलब है कि जिले के छुरिया ब्लॉक के ग्राम झीतराटोला निवासी लीला साहू विगत 16 वर्षों से संतान सुख से वंचित थी। खुद लीला साहू बताती हैं कि उन्होंने गर्भधारण तो किया किंतु हर बार उनकी ब्लड प्रेशर की बीमारी ने उनके सपनों को पूरा नहीं होने दिया। हर बार गर्भ की स्थिति में हाई ब्लड प्रेशर के कारण उनके सात बच्चों ने दुनिया नहीं देख पाई। सभी बच्चे उसकी कोख में ही दम तोड़ देते और मृत बच्चे को गर्भ से निकालकर उसकी जान बचाई जाती रही है।

कमाई के लिए अवैध और वैध का खेल चलता रहता है

लोकतंत्र में सरकार या शहर सरकार चाहे तो क्या नहीं हो सकता।अवैध भी वैध हो सकता है। नैतिकता की बात करने वालों को यह अजीव लग सकता है कि राज्य सरकार हो या शहर सरकार हो,वह अवैध को वैध कैसे कर सकती है।चाहे अवैध कालोनी हो या अवैध कब्जा हो, अवैध नल कनेक्शन हो उसे तो वैध करना नहीं चाहिए। इसके लिए तो लोगों को कानूनन सजा मिलनी चाहिए ताकि फिर कोई अवैध कब्जा न कर सके,अवैध कालोनी न बना सके,अवैध नल कनेक्शन न ले सके।कुछ लोग तो कह सकते हैं कि जब लोगों को मालूम है कि चाहे अवैध कालोनी, अवैध कब्जा हो, अवैध नल कनेक्शन वह बाद में सरकार या शहर सरकार कुछ पैसे लेकर वैध करती है तो इससे तो अवैध कालोनी,अवैध कब्जे व अवैध नल कनेक्शन पर रोक कैसे लग सकती है। यानी एक तरह से कहा जा सकता है कि अगर किसी शहर में राज्य में अवैध कालोनी बन रही है, अवैध कब्जे हो रहे हैं, अवैध नल कनेक्शन दिए जा रहे है इससे लिए कहीं न कहीं राज्य सरकार व शहर सरकार भी दोषी है।कानून के अनुसार तो उसका काम तो हर तरह के अवैध काम को रोकना है और ऐसे काम करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना है।

शहर सरकार को पता चला है कि नगर निगम क्षेत्र ९० हजार अवैध कनेक्शन हैं। यह हजारों अवैध नल कनेक्शन कई बरसों से हैं। यानी इन नलों के जरिए पानी की आपूर्ति की जाती रही है और की जा रही है।इससे निगम को कोई आय नहीं हो रही है। इससे नगर निगम क्षेत्र की जल आपूर्ति व्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ता है। टेल एंड तक वैध नलों वालों घर तक पानी नहीं पहुंचता है। इससे हर साल निगम क्षेत्र में पानी की समस्या बनी रहती है। इस तरह देखा जाए तो अवैध नल कनेक्शन तो निगम व निगम क्षेत्र की जनता को नुकसान पहुंचाने वाला काम है। और निगम को नुकसान पहुंचाने वाला यह काम करता कौन है। निगम के कुछ अध्किारी व कर्मचारी करते हैं।सवाल यह भी उठता है कि जब निगम नल का वैध कनेक्शन १० हजार रुपए में देता है तो लोग १४ से १५ हजार रुपए देकर अवैध नल कनेक्शन क्यों लेते हैं। इसकी कई वजहें हो सकती है लेकिन एक वजह तो यही हो सकती है कि वैध कनेक्शन की तुलना में अवैध कनेक्शन जल्दी मिलता है और पानी का पैसा भी नहीं देना पड़ता है।वैध कनेक्शन से निगम के कुछ अधिकारी व कर्मचारी की कोई कमाई नहीं होती है, अवैध नल कनेक्शन से होती है,इसलिए अवैध नल कनेक्शन हर साल दिए जाते हैं। यही वजह है कि धीरे धीरे निगम क्षेत्र में ९० हजार अवैध नल कनेक्शन हो गए हैं।

नगर निगम को पैसों की जरूरत हमेशा रहती है, वह हमेशा आय के नए स्रोत तलाशती रहती है। वह सोचती रहती है कि पैसा कहां से और कैसे मिल सकता है।ऐसे में निगम को ९० हजार नल कनेक्शन का पता लगने पर लगा होगा कि इसे वैध करके क्यों कुछ कमाई कर ली जाए।निगम ने निगम अधिनियम १९५६ व फरवरी २०१- के प्रावधानों के अनुसार एक योजना बनाई है।यानी निगम कानूनन अवैध नल कनेक्शनों को वैध करने जा रही है। इसके लिए ९०दिन का समय तय किया गया है। जितने जिन लोगों के नल कनेक्शन अवैध है, उनको ९० दिन के भीतर अपने नल कनेक्शन को वैध कराना है। इसके लिए निगम में आवेदन पैसे के साथ देना होगा। इसके लिए नियमित करने का शुल्क ५००० रुपए और वैध नल कनेक्शन का शुल्क २०८८२ रुपए घरेलू कनेक्शन का और व्यवसायिक नल कनेक्शन के लिए १५ हजार रुपए नियमितिकरण शुल्क, व वैध कनेक्शन शुल्क १५८८२ रुपए देना होगा। इस तरह देखा जाए तो अवैध नल कनेक्शन को निगम २० से ३० हजार रुपए में वैध करने जा रहा है इससे निगम को अच्छी आय हो सकती है।निगम का तर्क हो सकता है कि इससे आम लोगों को भी फायदा है और निगम को भी फायदा है। निगम की आलोचना करने वाले लोग कह सकते हैं। निगम अपनी आय के लिए एक तरह से अवैध नल कनेक्शनों को बढ़ावा दे रहा है। निगम व निगम के लोग दोनों तरह से कमाई कर रहे हैं। पहले निगम के लोग व नल कनेक्शन देने का काम करने वाले ठेकेदार जल्दी नल कनेक्शन देने के नाम पर १४ से १५ हजार रुपए कमाई करते हैं।यह काम कभी बंद नहीं होता है और शहर सरकार कुछ बरसों में जब अवैध नलों की संख्या बढ़ जाती है तो निगम की कमाई के नाम पर इनको बैध करने का फैसला करती है। इससे निगम की कमाई हो जाती है।यानी निगम के लोग अवैध नल कनेक्शन के नाम पर कमाई करते हैं तो निगम कनेक्शन को वैध करने के नाम पर कमाई करता है। अब सवाल उठता है कि निगम की यह योजना सफल होगी या नहीं होगी। क्योंकि योजना तो सफल तब ही मानी जाएगी जब ९० हजार अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने लोग सामने आते हैं।एक गणित के हिसाब से तो अवैध नल कनेक्शन कराने वालों को लग सकता है कि वह १५ हजार रुपए अवैध नल कनेक्शन को दे चुके हैं और २० हजार में नियमित कराते हैं तो नल कनेक्शन ३५ हजार का पड़ता है और वह नया नल कनेक्शन लेते हैं तो उनको दस हजार रुपए देना पड़ेगा। ऐसे में उनको लग सकता है कि अवैध नल कनेक्शन कटता है तो कटे वह नया नल कनेक्शन ले लेंगे तो उनको लग सकता है कि दस हजार रुपए बच रहे हैं, कई लोग यह भी सोच सकते हैं कि जो लोग नल काटने आते हैं उनको ही बाद में नल जोड़ने के लिए कुछ पैसे देकर राजी किया जा सकता है।यानी अवैध कनेक्शन कटेगा जरूर लेकिन बाद में उसे जुड़वाया जा सकता है, इसमें भी कम पैसा लगेगा इससे समझा जा सकता है कि बहुत सारे लोग अगर अवैध नल कनेक्शन को वैध करवा सकते हैं तो बहुत सारे लोग अवैध कनेक्शन से बदस्तुर अपना काम चला सकते हैं और ऐसा होना संभव इसलिए है कि निगम में ऐसे अवैध काम आसानी से होते हैं बस कुछ पैसे खर्च करने होंगे।

विश्लेषण

नरेन्द्र मोदी सबसे लंबे समय तक 'प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित' प्रधानमंत्री

सुश्री शर्मिष्ठा मुखर्जी

भारत में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता को लेकर चल रही बहस के बीच, मुझे मेरे पिता, स्वर्गीय प्रणब मुखर्जी की 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अभूतपूर्व जीत के बारे में बताई गई एक दिलचस्प बात याद आती है। उस समय बाबा भारत के 13वें राष्ट्रपति थे। अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं से जुड़े होने के बावजूद, उनके बीच बहुत अच्छे संबंध थे, जो शायद एक सच्चे लोकतंत्र की वास्तकविक पहचान है। चुनाव परिणाम आने के बाद, मोदी जी राष्ट्रपति भवन में बाबा से मिलने आए। बातचीत के दौरान, बाबा ने मोदी जी से चुनाव के बारे में उनका विश्लेषण पूछा। उन्होंने उत्तर दिया कि तीन दशकों के बाद किसी राजनीतिक पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला है। तब बाबा ने अपने विशिष्ट प्रोफ़ेसर वाले अंदाज़ में पूछा, 'और क्या?' जब मोदी जी चुप रहे, तो बाबा ने बताया कि 2014 का लोकसभा चुनाव इतिहास में अनोखा था, क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर एक नया चेहरा पहले ही घोषित कर दिया गया था। भारतीय जनता पार्टी को मिला लोगों का अपार समर्थन केवल उनकी पार्टी के लिए नहीं था, बल्कि यह लोगों का श्री नरेन्द्र मोदी को भारत का प्रधानमंत्री बनाने के लिए सीधा जनादेश था। दूसरे चुनावों के विपरीत, जहाँ प्रधानमंत्री का चेहरा या तो मान लिया जाता है पर आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं किया जाता; या परंपरा के अनुसार नवनिर्वाचित सांसद उनका चुनाव करते हैं; या यह गठबंधन के गणित से तय होता है और यह प्रक्रिया चुनाव के बाद होती है। मोदी जी से पहले डॉ. मनमोहन सिंह, जो कभी जन-नेता नहीं रहे, उन्हें तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने चुना था। भारत के दो प्रधानमंत्री, श्री पी.वी. नरसिम्हा राव और श्री एच.डी. देवेगौड़ा - तो प्रधानमंत्री बनने के समय संसद के सदस्य भी नहीं थे। सरल शब्दों में कहें तो, प्रधानमंत्री का चुनाव वरिष्ठ राजनेता करते थे। 2014 भारतीय राजनीति के चुनावी समीकरणों में एक बहुत बड़ा बदलाव था, जहां देश की जनता ने श्री नरेन्द्र मोदी को लगभग 'राष्ट्रपति चुनाव' की ही तरह, स्पष्ट रूप से और बिना किसी संदेह के अपना प्रधानमंत्री चुना। उल्लेनखनीय है कि 2014 से पहले श्री नरेन्द्र मोदी जी 'राष्ट्रीय' राजनीति में नए थे। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर अपने लंबे कार्यकाल के दौरान अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई थी, लेकिन 2014 उनका पहला लोकसभा चुनाव था। यह एक अनोखी बात है कि पहली बार सांसद बनने वाले व्यक्ति ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार संसद भवन में प्रवेश किया। (पुरानी) संसद की सीढ़ियों पर 'प्रणाम' करने का उनका भावुक कदम हृदय को छू लेने वाला ऐसा क्षण था, जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में अपनी जगह बना ली। चुनाव में विजय का कभी भी कोई एक कारण नहीं होता; यह कई कारकों से जुड़ी एक जटिल प्रक्रिया है। भाजपा का ज़मीनी स्तर पर मज़बूत संगठन, अलग-अलग जातियों और समुदायों तक लगातार पहुँचने की रणनीति, अपनी गलतियों को शीघ्र पहचानना और तुरंत सुधार करने की इच्छाशक्ति — ये कुछ ऐसी मुख्य बातें हैं जिन्होंने विद्यमान भाजपा को चुनाव जीतने वाली एक ऐसी शक्ति बना दिया है, जिसे वर्तमान में रोक पाना दुष्कार लगता है। हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्री नरेन्द्र मोदी जी का चेहरा शायद भाजपा का सबसे मज़बूत ट्रंप कार्ड है। लोग उनमें एक ऐसा मज़बूत नेता देखते हैं, जो अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर आगे बढ़ा है, न कि कांग्रेस की तरह वंशवादी विरासत या परिवार-शासित क्षेत्रीय पार्टियों की मज़बूत पकड़ के कारण।

एक तरह से श्री नरेन्द्र मोदी भाजपा के पर्याय बन गए हैं। मैं हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बारे में बंगाल के मित्रों के साथ हुई कुछ बातचीत का उल्लेख करना चाहूंगी। जहां मेरे अपने रिश्तेदार अभी भी कांग्रेस के कट्टर समर्थक हैं और बंगाल में कांग्रेस को मिले मामूली 2.9 प्रतिशत वोट शेयर में उनका भी योगदान था, वहीं मेरे अधिकतर दोस्तों और परिचितों ने भाजपा को वोट दिया था। चुनाव से पहले, मैं उनसे पूछती थी कि वे किस पार्टी को वोट देंगे। अधिकतर लोगों का उत्तर यही होता था कि वे 'मोदी' को वोट देंगे। मैं उन्हें याद दिलाती थी कि यह विधानसभा चुनाव है और मोदी जी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उनका उत्तर हमेशा यही होता था— 'ओई एक-ई व्यापार'—यानी 'बात एक ही है'।

श्री नरेन्द्र मोदी जी न केवल देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री हैं, बल्कि शायद स्वतंत्रता के बाद देश ने जितने भी प्रधानमंत्री देखे हैं, उनमें से वे सबसे मज़बूत नेताओं में से एक हैं।

वे गठबंधन सरकारों, जो अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए दूसरों पर निर्भर रहती हैं, के उन व्यांवधानों (अक्सर ब्लैकमेल करने वाले तरीकों) का शिकार हुए बिना एक मज़बूत और स्थिर सरकार देने में सफल रहे हैं। कोई उनकी कई नीतियों या काम करने के तरीके से असहमत हो सकता है और लोकतंत्र में ऐसा होना बिल्कुल सामान्य बात है; लेकिन कोई भी उनके करिश्मे और 'आकांक्षी भारत' के लिए प्रेरणा के तौर पर भारतीय मतदाताओं के साथ उनके जुड़ाव को नकार नहीं सकता। यह बात 2019 और फिर 2024 में भी स्पष्ट रूप से दिखी। आप श्री नरेन्द्र मोदी को पसंद करें या नापसंद, लेकिन आप 'ब्रांड मोदी' की अनदेखी नहीं कर सकते। बड़ी ताक़त के साथ बड़ी ज़िम्मेदारी भी आती है। एक आम नागरिक के रूप में, मैं प्रार्थना करती हूँ कि वे लोगों से प्राप्त भारी जनादेश के साथ पूरा न्याय करें और हमारे देश को और भी ऊंचाइयों तक ले जाएँ।

(लेखिका एक स्तेम्भकार हैं और 'प्रणब माय फादर: अ डॉटर रिमेंबर्स' पुस्तीक की लेखिका हैं। वह वर्तमान में 'प्रणब मुखर्जी लिगेसी फाउंडेशन' की संचालक हैं।)

राशिफल

मेष आज का दिन आपके लिए समृद्धि और नई उम्मीदों की सौगात लेकर आया है। जिम्मेदारियां भले ही बढ़ती हुई महसूस हों, लेकिन आपके भीतर का आत्मविश्वास हर चुनौती को अवसर में बदलने की क्षमता रखता है। किसी नए काम की शुरुआत का विचार मन में आ सकता है, और यही कदम भविष्य में लाभ का कारण बनेगा।

वृषभ आज भाग्य आपकी मेहनत को पहचान दिलाने के मूड में है। समाज में आपके कार्यों की चर्चा होगी और सम्मान मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी समझदारी और अनुभव आज कई मुश्किल रास्तों को आसान बना देंगे। छोटी यात्रा का योग बन सकता है, जो केवल सफर नहीं बल्कि किसी लाभदायक अवसर का द्वार भी साबित हो सकती है। किसी की कही हुई बातों पर आंख बंद करके भरोसा न करें।

मिथुन आज सितारे आपको संतुलन का महत्व समझाने वाले हैं। आय और खर्च के बीच तालमेल बनाकर चलेंगे तो मन भी शांत रहेगा और परिस्थितियां भी आपके अनुकूल होती जाएंगी। किसी यात्रा या मुलाकात के दौरान ऐसी जानकारी मिल सकती है जो आगे चलकर बड़ा लाभ दे। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बिल्कुल न करें। कार्यक्षेत्र में यदि कोई उलझन सामने आए तो जल्दबाजी से बचें।

कर्क आज का दिन सफलता और सावधानी, दोनों का संदेश लेकर आया है। एक ओर कार्यक्षेत्र में उपलब्धि मिलने की संभावना है, तो दूसरी ओर स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है। धन कमाने के मामले में सही मार्ग ही आपके लिए शुभ रहेगा। कोई ऐसा काम, जो लगभग पूरा हो चुका था, अचानक अटक सकता है.

सिंह आज धैर्य ही आपका सबसे बड़ा हथियार साबित होगा। परिवार में कुछ छोटी-मोटी उलझनें मन को विचलित कर सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी हालात को संभाल लेगी। किसी को वादा करने से पहले सोच-विचार अवश्य करें। अधूरे कामों को टालना आज नुकसानदायक हो सकता है। आर्थिक मामलों में भी सावधानी जरूरी है, विशेषकर यदि किसी को धन उधार देने की बात हो।

कन्या आज का दिन आपको सोच-समझकर कदम बढ़ाने की सलाह देता है। जोखिम भरे फैसलों से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी। कोई सरकारी कार्य लंबे समय से रुका हुआ था तो उसमें प्रगति देखने को मिल सकती है। हालांकि कुछ काम आखिरी समय में अटक भी सकते हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

तुला आज योजनाबद्ध तरीके से किया गया हर प्रयास सफलता के करीब ले जाएगा। रियल एस्टेट या संपत्ति से जुड़े लोगों के लिए यह समय लाभकारी दिखाई दे रहा है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप साहस के साथ नए निर्णय ले पाएंगे। सरकारी योजनाओं में निवेश लाभदायक साबित हो सकता है।

वृश्चिक आज कुछ लोग आपकी राह में बाधाएं खड़ी करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन आपका आत्मविश्वास और सूझबूझ उन्हें सफल नहीं होने देंगे। लंबे समय से चली आ रही किसी चिंता में राहत मिलेगी। संतान के भविष्य को लेकर मन में हल्की चिंता बनी रह सकती है, लेकिन जल्द ही सकारात्मक संकेत मिलने लगेंगे। स्वास्थ्य में, विशेष रूप से आंखों का ध्यान रखें।

धनु आज आपकी वाणी ही आपका सबसे बड़ा आकर्षण होगी। लोग आपके व्यवहार और विचारों से प्रभावित होंगे। करियर में नए अवसर सामने आ सकते हैं और नई नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा, अन्यथा बाद में परेशानी महसूस हो सकती है। दूसरों के मामलों में अनावश्यक दखल देने से बचें।

मकर आज व्यापार और करियर, दोनों क्षेत्रों में आपके लिए अच्छे संकेत दिखाई दे रहे हैं। आपके कार्यों की सराहना होगी और पहचान में वृद्धि होगी। हालांकि कोई महत्वपूर्ण डील अंतिम समय पर अटक सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। समय और धन का सही उपयोग करना आज बेहद जरूरी रहेगा। आसपास के लोगों को परखने की जरूरत है, क्योंकि हर मुस्कुराने वाला व्यक्ति आपका शुभचिंतक नहीं होता। परिवार की ओर से मिली कोई खबर थोड़ी चिंता दे सकती है.

कुंभ आज का दिन ऊर्जा, उत्साह और उपलब्धियों से भरा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रतिभा लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। बच्चों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, और परिवार के साथ बिताए गए ये पल यादगार बन सकते हैं। ऑनलाइन कार्यों से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिलने के संकेत हैं। नए संपर्क भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे।

मीन आज खुशियां जैसे आपके दरवाजे पर दस्तक देने वाली हैं। दिन की शुरुआत किसी शुभ समाचार से हो सकती है, और लगातार सकारात्मक घटनाएं आपका उत्साह बढ़ाएंगी। पिता के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है, लेकिन संयम से स्थिति सहज हो जाएगी। वैवाहिक जीवन में छोटी बातों को बड़ा बनने से रोकना जरूरी होगा। यदि कोई गलती सामने आती है तो उसे स्वीकार करना ही रिश्तों को मजबूत बनाएगा।

एआई और इंटरनेट से बढ़ती डिजिटल थकान: कारण और समाधान

सुनील कुमार महला

आज का युग तकनीक का युग है और आज के इस तकनीक और डिजिटल युग में हर किसी में डिजिटल फटीग (डिजिटल थकान) तेजी से बढ़ती समस्या बनती जा रही है। दिनभर या यूं कहें कि लगातार स्क्रीन पर काम करना, बार-बार आने वाले नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, ऑनलाइन बैठकों और एआई आधारित टूल्स पर बढ़ती निर्भरता के कारण लोगों में मानसिक थकान, एकाग्रता की कमी, आंखों में तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। उत्पादकता बढ़ाने के लिए बनाए गए डिजिटल साधन कई बार मानसिक दबाव का कारण भी बन जाते हैं। इसलिए स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करना, नियमित अंतराल पर विश्राम लेना और डिजिटल संतुलन बनाए रखना आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

कहना ग़लत नहीं होगा कि मोबाइल या लैपटॉप पर बार-बार आने वाले नोटिफिकेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा तैयार की जा रही सामग्री, स्क्रीन पर लगातार काम करने की आदत और विभिन्न एआई टूल्स के बढ़ते उपयोग के कारण आज लोगों में मानसिक और डिजिटल थकान तेजी से बढ़ रही है। विडंबना यह है कि जिन तकनीकों और टूल्स को हमारी उत्पादकता बढ़ाने के लिए बनाया गया था, वे ही अब एकाग्रता में कमी, तनाव और 'बर्नआउट' का मुख्य कारण बन रहे हैं। ऑनलाइन लेक्चर, वर्चुअल मीटिंग्स, इंटरनेट पर उपलब्ध असीमित जानकारियों, रील्स और शॉर्ट वीडियोज ने लोगों को इस कदर बांध लिया है कि किताब पढ़ते समय भी ध्यान बार-बार मोबाइल फोन की ओर चला जाता है, जिसका सीधा असर हमारी स्मरण शक्ति और निर्णय लेने की क्षमता पर भी पड़ रहा है। लगातार डिजिटल माध्यमों के संपर्क में रहने और एआई-आधारित टूल्स से मिलने वाले अलर्ट्स, रिमाइंडर्स व परफॉर्मेंस रिपोर्ट्स के कारण आज मानसिक बोझ बढ़ रहा है।पाठक जानते हैं कि आज शिक्षा से लेकर कार्यस्थल तक एआई कौशल सीखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, लेकिन जब हम एआई के उत्तरों पर पूरी तरह निर्भर होने लगते हैं, तो गहराई से सोचने, तर्क करने और नए समाधान खोजने की हमारी मौलिक व रचनात्मक क्षमता कमजोर पड़ने लगती है। इंटरनेट मीडिया पर स्क्रॉलिंग की कोई निश्चित सीमा नहीं होती और एआई एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं के व्यवहार व रुचियों के आधार पर लगातार व्यक्तिगत व आकर्षक कंटेंट दिखाते रहते हैं, जिससे लोग कुछ मिनट के लिए प्लेटफॉर्म खोलकर भी वहां घंटों बिता देते हैं। इस 'इन्फॉर्मेशन ओवरलोड' (सूचना की अधिकता) के कारण मानसिक संतुलन प्रभावित होता है और व्यक्ति थकान व भ्रम का शिकार हो जाता है। इस स्थिति से बचने के लिए गैर-जरूरी नोटिफिकेशन बंद करना, स्क्रीन टाइम सीमित रखना, प्रतिदिन सुबह और रात को कुछ समय डिजिटल डिवाइस से दूर रहना तथा हर आधे घंटे में छोटा ब्रेक लेना बेहद आवश्यक है।

वास्तव में, आज चिंता का विषय यह नहीं है कि एआई मानव रचनात्मकता का स्थान ले लेगा, बल्कि यह है कि उस पर अत्यधिक निर्भरता हमारी जिज्ञासा और स्वतंत्र सोच को सीमित कर देगी; इसलिए एआई का उपयोग केवल एक सहायक उपकरण के रूप में होना चाहिए। बहरहाल, देश में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और 'भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण' (ट्राई) की हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत में अब लगभग 109 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जहां मोबाइल-इंटरनेट उपभोक्ता औसतन हर महीने 26.7 जीबी डेटा खर्च कर रहे हैं, तथा कुल टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 133 करोड़ से अधिक हो गई है, जिससे स्पष्ट है कि डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ भारत तेजी से एक डिजिटल समाज और डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि डिजिटल क्रांति और एआई निश्चित रूप से प्रगति के बड़े माध्यम हैं, लेकिन इनका अनियंत्रित उपयोग मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल समाज में 'डिजिटल वेलबीइंग' (डिजिटल कल्याण) को प्राथमिकता देना अब वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य हो गया है। तकनीक हमारी सोच और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए है, न कि उसे नियंत्रित करने के लिए। अतः सजगता, सीमित उपयोग और समय-समय पर डिजिटल डिटॉक्स अपनाकर ही हम इस बढ़ते मानसिक तनाव से बच सकते हैं और तकनीकी विकास का वास्तविक लाभ उठा सकते हैं।

मादक पदार्थों का नशा - मस्तिष्क को अनियंत्रित करने वाला घातक जहर

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

समस्त जीव-जगत में मनुष्य को सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है और इसका प्रमुख कारण उसका विकसित मस्तिष्क हैं। मानव शरीर की प्रत्येक गतिविधि, निर्णय और व्यवहार का संचालन मस्तिष्क द्वारा ही किया जाता हैं। यदि मस्तिष्क सही ढंग से कार्य न करे तो मनुष्य का अस्तित्व मात्र एक जिंदा लाश तक सीमित रह जाता हैं। दुर्भाग्यवश, नशा सबसे पहले और सबसे अधिक इसी मस्तिष्क पर आघात करता है। मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित कर देता है, जिससे वह सही और गलत के बीच का अंतर समझने में असमर्थ हो जाता हैं। नशे की स्थिति में व्यक्ति का अपने व्यवहार और भावनाओं पर नियंत्रण कम हो जाता हैं। यही कारण है कि अनेक अपराधों के पीछे नशे की महत्वपूर्ण भूमिका देखी जाती हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए लोग चोरी, लूट, हिंसा और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों का सहारा लेते हैं। आर्थिक तंगी बढ़ने पर कई बार स्थिति इतनी भयावह हो जाती है कि व्यक्ति अपने ही परिवार के सदस्यों के साथ हिंसक व्यवहार करने लगता हैं। समाचारों में अक्सर ऐसी घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ नशे की लत के कारण परिवार टूट जाते हैं और निर्दोष लोगों की जान तक चली जाती हैं। नशा केवल मस्तिष्क को ही नहीं, बल्कि शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों को भी धीरे-धीरे नुकसान पहुँचाता हैं। इसका परिणाम अनेक गंभीर और महंगी बीमारियों के रूप में सामने आता है, जो अंततः असमय मृत्यु का कारण बन सकती हैं। इसलिए नशा किसी भी रूप में मनोरंजन या राहत का साधन नहीं, बल्कि धीरे-धीरे जीवन को नष्ट करने वाला जहर हैं। भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय प्रत्येक वर्ष नशा मुक्ति के लिए जागरूकता अभियान चलाता हैं। वर्ष 2026 में 17 जून से 26 जून तक 'नशा मुक्त सप्ताह' मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत देशभर में विविध जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस वर्ष की थीम है— "वैश्विक स्तर पर ड्रग समस्या : इससे उत्पन्न चुनौतियाँ और उनके नए समाधान।" यह विषय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज नशीले पदार्थों की उपलब्धता और पहुँच पहले की तुलना में कहीं अधिक बढ़ गई हैं। छोटे बच्चों से लेकर युवाओं और वृद्धों तक, हर आयु वर्ग के लोग किसी न किसी रूप में इस समस्या की चपेट में आ रहे हैं। हाल ही में समाचारों में प्रकाशित जानकारी के अनुसार नागपुर में पांच महीनों के भीतर पांच करोड़ रुपये मूल्य की नशीली सामग्री जब्त की गई। यदि एक शहर की यह स्थिति है, तो पूरे राज्य और देश में मादक पदार्थों की तस्करी का वास्तविक स्वरूप कितना व्यापक होगा, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता हैं। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं है, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा है। देश का युवा वर्ग किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति माना जाता हैं। यदि यही युवा नशे की गिरफ्त में आ जाए तो समाज और देश दोनों का विकास प्रभावित होता हैं। पहले के समय में कुछ लोग यह मानते थे कि नशा थकान दूर करता है या मानसिक तनाव कम करता हैं। सीमित शिक्षा और मनोरंजन के साधनों के कारण ऐसी धारणाएँ प्रचलित थीं। किंतु आज, जब शिक्षा, तकनीक और जागरूकता के अनेक साधन उपलब्ध हैं, तब भी बड़ी संख्या में युवा नशे को आधुनिकता, मौज-मस्ती या सामाजिक प्रतिष्ठा से

जोड़कर देख रहे हैं। यह प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक हैं।

जब परिवार का कोई एक सदस्य भी नशे का आदी हो जाता है, तो उसके दुष्परिणाम पूरे परिवार को भुगतने पड़ते हैं। परिवार आर्थिक संकट, मानसिक तनाव, सामाजिक अपमान और भावनात्मक पीड़ा का सामना करता हैं। नशे की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे उसकी जिम्मेदारियों से दूर कर देती हैं। वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में असफल होने लगता है और परिवार के अन्य सदस्य स्वयं को असुरक्षित तथा असहाय महसूस करते हैं। यदि परिवार का मुखिया ही नशे का शिकार हो जाए, तो पूरे परिवार का भविष्य संकट में पड़ता हैं। नशा केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक समस्या नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय विकास में भी बड़ी बाधा हैं। इससे अपराध, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता जैसी अनेक समस्याएँ बढ़ती हैं। जिन देशों में नशीले पदार्थों का व्यापार बड़े पैमाने पर फैला है, वहाँ सामाजिक और आर्थिक विकास गंभीर रूप से प्रभावित हुआ हैं। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी हैं।

बच्चों और किशोरों को नशे से दूर रखने में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। केवल बच्चों की इच्छाएँ पूरी करना या उन्हें भौतिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं हैं। अभिभावकों को यह जानना चाहिए कि उनके बच्चे किन लोगों के संपर्क में हैं, कहाँ समय बिताते हैं और किन गतिविधियों में शामिल रहते हैं। बच्चों के व्यवहार में होने वाले परिवर्तनों को समझना और समय रहते उचित मार्गदर्शन देना आवश्यक हैं। परिवार में ऐसा वातावरण होना चाहिए जहाँ बच्चे बिना किसी डर के अपने विचार और समस्याएँ साझा कर सकें। यदि माता-पिता बच्चों के मित्र बनकर संवाद स्थापित करें, तो बच्चों को गलत रास्ते पर जाने से रोका जा सकता हैं। बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, इसलिए उनके संस्कार, नैतिक शिक्षा और जीवन मूल्यों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक हैं।

आज समाज में कई ऐसी घटनाएँ देखने को मिलती है, जहाँ नशे की हालत में लोग गंभीर अपराध कर बैठते हैं। ऐसी घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि नशा व्यक्ति की निर्णय क्षमता को किस हद तक प्रभावित कर सकता हैं। इसलिए केवल अपराधी को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन सामाजिक परिस्थितियों और लापरवाहियों पर भी विचार करना आवश्यक है, जो ऐसी घटनाओं को जन्म देती हैं। सरकारी आँकड़ों के अनुसार देश में नशे की शुरुआत की औसत आयु लगभग 12 से 13 वर्ष है, जो अत्यंत चिंताजनक तथ्य हैं। करोड़ों लोग शराब, गांजा, चरस, ओपिओइड्स तथा अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। विश्व स्तर पर भी नशीली दवाओं के उपयोग में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही हैं। अवैध मादक पदार्थों का उत्पादन और तस्करी संगठित अपराध को बढ़ावा दे रही है तथा अनेक देशों के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। इस समस्या से निपटने के लिए अत्यधिक कड़े कानून की आवश्यकता हैं। नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार, पुनर्वास और भावनात्मक सहयोग की भी आवश्यकता होती हैं। तनाव, अकेलापन, चिंता, सामाजिक दबाव और भावनात्मक अस्थिरता जैसे कारण भी युवाओं को नशे की ओर धकेलते हैं। इसलिए उन्हें सकारात्मक जीवन मूल्यों, स्वस्थ जीवनशैली, आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती की दिशा में मार्गदर्शन देना आवश्यक हैं। देशभर में नशा मुक्ति केंद्र, पुनर्वास केंद्र और सहायता सेवाएँ उपलब्ध हैं। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हेल्पलाइन नंबर 14446 भी संचालित किया है, जहाँ सहायता प्राप्त की जा सकती हैं। जीवन अनमोल है और इसे नशे जैसी विनाशकारी आदतों में बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। यदि हम स्वयं जागरूक बनें और दूसरों को भी जागरूक करें, तो नशामुक्त समाज और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। नशा जीवन में सुख, सफलता और सम्मान नहीं लाता, बल्कि धीरे-धीरे व्यक्ति, परिवार और समाज को विनाश की ओर ले जाता हैं। इसलिए हमें संकल्प लेना चाहिए कि स्वयं नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इससे बचाने का प्रयास करेंगे। यही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की सबसे मजबूत नींव हैं।

मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो करेंगे प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन आंदोलन

बिजली संविदा कर्मचारियों की काम बंद-कलम बंद हड़ताल शुरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 25 जून। छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ (722) के आह्वान पर प्रदेशभर के संविदा कर्मचारी आंदोलनरत हैं। बस्तर संभाग के सात जिलों के संविदा कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर काम बंद-कलम बंद आंदोलन 22 जून से शुरू कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा कर्मचारियों द्वारा प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत जिले के भोपालपटनम, आवापल्ली, बीजापुर, भैरमगढ़, नैमेड़, मद्देड़ और कुटरू सहित संभाग के सभी वितरण केंद्र के संविदा कर्मचारियों ने भी संघ के आंदोलन के समर्थन में अनिश्चितकालीन कार्यबहिष्कार पर जाने का निर्णय लिया है।संविदा कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वे नियमितीकरण, वेतन विसंगति दूर करने तथा अन्य

मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इसी के विरोध में कर्मचारी आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर हुए हैं।संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि बस्तर संभाग के सात जिलों के संविदा कर्मचारी इस आंदोलन में शामिल हैं। कर्मचारियों ने 16 जून को मुख्यालय में अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन भी सौंपा था, लेकिन मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने से आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया गया है।कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो तूता, रायपुर में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ द्वारा प्रदेश स्तर पर पांच दिवसीय हड़ताल और ÷काम बंद-कलम बंद÷ आंदोलन चलाया जा रहा है। वहीं, मांगों के निराकरण नहीं होने पर आंदोलन को और उग्र करने की चेतावनी भी दी गई है। संविदा कर्मचारियों का कहना है कि वर्षों से सेवाएं देने के बावजूद उन्हें नियमितीकरण सहित अन्य सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। ऐसे में अब वे अपनी मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर हैं।

जगदलपुर केंद्रीय जेल में कैदी पीते मिले गांजा, 14.1 ग्राम गांजा जब्त

जगदलपुर, 25 जून । केंद्रीय जेल जगदलपुर में हाल ही में हुए कैदी के भागने और मौतों के मामलों की जांच करने प्रशासनिक अधिकारियों की औचक छापेमारी के दौरान नशाखोरी का बड़ा मामला सामने आया है। जांच के दौरान कई कैदी कथित तौर पर गांजा पीते हुए पाए गए, जिसके बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले की जांच के लिए तैयार की गई एसडीएम की रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण खुलासे किए गए हैं। जब जांच दल जेल पहुंचा, तो उप जिलाधिकारी भी वहां की स्थिति देखकर चकित रह गए। जांच दल ने पाया कि जेल की बैरकों में कैदी आराम से बैठकर गांजा फूंक रहे थे। वहां तैनात सिपाहियों के खड़े रहने के बावजूद किसी भी कैदी को कोई रोक-टोक नहीं की जा रही थी। बैरक संख्या सात के पास गांजे की एक पुड़िया भी मिली। जब्त किए गए गांजे का वजन 14.1 ग्राम था। इस गांजे को जब्त करने के बाद कोतवाली में अज्ञात गांजा तस्कर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

एक नजर

30.67 लाख के नारायणपुर पीएनबी बैंक धोखाधड़ी मामले में तीन और आरोपी गिरफ्तार

नारायणपुर, 25 जून। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) शाखा नारायणपुर में हुए 30.67 लाख रुपये के बहुचर्चित बैंक धोखाधड़ी प्रकरण में आज बुधवार को नारायणपुर पुलिस ने तीन और आरोपियों अशोक जैन, सुनैना समुंद और रामकरण साहू को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों से मामले से संबंधित बैंक पासबुक एवं अन्य दस्तावेज बरामद किए गए। तीनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इससे पहले आरोपी तिलकराम मंडावी और गोपाल सिंह समुंद को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है। बैंकिंग प्रणाली में फर्जी दस्तावेजों, निष्क्रिय खातों के दुरुपयोग और फर्जी लेन-देन के जरिए लाखों रुपये की हेरा-फेरी करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है।पुलिस के अनुसार मामला पंजाब नेशनल बैंक शाखा नारायणपुर में हुए वित्तीय फर्जीवाड़े से जुड़ा है, जिसमें बैंक के निष्क्रिय खातों को दोबारा सक्रिय कर खाताधारकों की जानकारी के बिना फर्जी केवाईसी और आधार लिंकिंग के माध्यम से राशि निकाली गई। इस पूरे प्रकरण में कुल 30 लाख 67 हजार 500 रुपये की धोखाधड़ी सामने आई है। मामले की शुरुआत 5 फरवरी 2026 को बैंक शाखा प्रबंधक मनीष कुमार सोनी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत और बैंक की आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट से हुई थी। जांच में सामने आया कि बैंक कर्मचारी गोपाल सिंह समुंद ने रिकवरी एजेंट एवं बीसी सेंटर संचालकों तिलकराम मंडावी तथा रामकरण साहू के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से फर्जीवाड़ा किया।

युवक और युवती ने एक ही फंदे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

कांकेर, 25 जून। जिले के अंतागढ़ विकासखंड के ताड़ोकी थाना क्षेत्र में युवक और युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कचवार निवासी धनंजय प्रधान (22) खेती का काम करता था। जबकि गूंजनार निवासी युवती संध्या दरों है। दोनों मंगलवार शाम घर से निकले थे, फिर एक ही दुपट्टे से लटके मिले। सूचना मिलने पर ताड़ोकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों के शव एक ही फंदे पर लटके पाए गए। हालांकि, आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। परिजनों और संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने और विस्तृत जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस ने इस संबंध में मर्ग कायम कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

किसानों को आर्थिक सुरक्षा देने कलेक्टर ने दिए शत-प्रतिशत फसल बीमा के निर्देश

जगदलपुर, 25 जून। आगामी खरीफ सीजन में जिले के किसानों को आर्थिक सुरक्षा कवच देने के लिए फसल बीमा से बीमित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी सिलसिले में कलेक्टोरेट के आस्था कक्ष में बुधवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जिला स्तरीय पर्यवेक्षण समिति की बैठक संपन्न हुई। इस विशेष बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं समिति के अध्यक्ष आकाश छिक्कारा ने की, जिसमें समिति के सभी नामित सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। आगामी सीजन में मौसम की अनिश्चितताओं के मद्देनजर यह बैठक जिले के अन्नदाताओं को विपरीत परिस्थितियों में संबल प्रदान करने के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही बैठक के दौरान कलेक्टर आकाश छिक्कारा ने इस वर्ष अलनीनो के प्रभाव के कारण असामान्य वर्षा होने की गंभीर आशंका जताई।

स्थानीय युवाओं की उपेक्षा पर भड़के बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ के अध्यक्ष : संदीप साव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल, 25 जून। बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ के अध्यक्ष संदीप साव ने किरंदुल, बचेली एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता नहीं दिए जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए क्षेत्र में कार्यरत बड़ी ठेका एवं औद्योगिक कंपनियों की कार्यप्रणाली की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर करोड़ों रुपये का कारोबार करने वाली कंपनियां क्षेत्र के युवाओं, खिलाड़ियों और सामाजिक गतिविधियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि स्थानीय युवाओं को रोजगार, खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में कंपनियों का योगदान नहीं होगा, तो उनकी सामाजिक जिम्मेदारी (ष्टस्क्र) केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह जाएगी। स्थानीय जनता से एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ के अध्यक्ष ने किरंदुल, बचेली, दंतेवाड़ा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की जनता, युवाओं, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से इस मुद्दे पर एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने मांग की कि क्षेत्र में कार्यरत सभी बड़ी कंपनियां स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता दें तथा खेल, शिक्षा, सामाजिक एवं विकास कार्यों में अपनी वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित करें।

मुख्य बिंदु

स्थानीय युवाओं को रोजगार में नहीं मिल रही प्राथमिकता- अध्यक्ष साव ने कहा कि एनएमडीसी द्वारा जिन बाहरी कंपनियों को विभिन्न कार्य सौंपे गए हैं, उनसे यह अपेक्षा थी कि वे किरंदुल, दंतेवाड़ा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के योग्य एवं शिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत दिखाई दे रही है, जहां स्थानीय बेरोजगार युवाओं की उपेक्षा कर बाहरी लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है।.

रोजगार के लिए भटक रहे क्षेत्र के युवा-उन्होंने कहा कि क्षेत्र के अनेक शिक्षित और योग्य युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं, जबकि कंपनियां स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर देने के बजाय बाहरी कर्मचारियों पर अधिक निर्भर हैं। यह स्थिति चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है।

सामाजिक एवं खेल गतिविधियों में भी नहीं निभा रहीं जिम्मेदारी- व्यापारी कल्याण संघ के अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि अधिकांश कंपनियां खेलकूद, प्रतिभा विकास, सामाजिक कार्यक्रमों एवं जनहित के कार्यों में भी अपेक्षित सहयोग नहीं कर रही हैं। हाल ही में आयोजित ओपन क्रिकेट प्रतियोगिता में कई कंपनियों ने सहयोग का आश्वासन दिया था, लेकिन अधिकांश कंपनियां पीछे हट गईं। सीएसआर केवल कागजों तक सीमित नहीं रहे

अध्यक्ष संदीप साव का बयान

क्षेत्र के संसाधनों से लाभ कमाने वाली कंपनियों का यह नैतिक दायित्व है कि वे स्थानीय युवाओं को रोजगार दें और क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। स्थानीय लोगों की लगातार अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।स्थानीय रोजगार, सामाजिक सहभागिता और क्षेत्रीय विकास को लेकर उठी यह मांग अब जनचर्चा का विषय बनती जा रही है।

26 जून से 3 जुलाई तक पैसेंजर और नाइट एक्सप्रेस किरंदुल नहीं जायेगी

जगदलपुर, 25 जून। किरंदुल-कोत्तावलसा रेल लाइन पर रेलवे के सुरक्षा संबंधी आधुनिकीकरण और डबलिंग कार्य के चलते विशाखापट्टनम-किरंदुल रूट पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेनों के संचालन में अस्थाई बदलाव किया गया है। ईको रेलवे ने 26 जून से 3 जुलाई तक कुछ ट्रेनों को दंतेवाड़ा स्टेशन तक सीमित करने और वहीं से संचालित करने का फैसला लिया है। विशाखापट्टनम-किरंदुल रूट पर चलने वाली पैसेंजर किरंदुल नही जायेगी। इसी वजह से विशाखापट्टनम-किरंदुल पैसेंजर और नाइट एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन अस्थाई रूप से प्रभावित रहेगा।26 जून से 2 जुलाई तक चलने वाली ट्रेन संख्या 58501 विशाखापट्टनम-किरंदुल पैसेंजर किरंदुल तक नहीं जाएगी और दंतेवाड़ा स्टेशन पर ही यात्रा समाप्त करेगी। वहीं, 27 जून से 3 जुलाई तक ट्रेन संख्या 58502 किरंदुल-विशाखापट्टनम पैसेंजर किरंदुल के बजाय दंतेवाड़ा स्टेशन से रवाना होगी। इसी तरह, 25 जून से 2 जुलाई तक ट्रेन संख्या 18515 विशाखापट्टनम-किरंदुल नाइट एक्सप्रेस भी दंतेवाड़ा तक ही संचालित होगी। जबकि 26 जून से 3 जुलाई तक ट्रेन संख्या 18516 किरंदुल-विशाखापट्टनम नाइट एक्सप्रेस किरंदुल के स्थान पर दंतेवाड़ा से शुरू होगी।रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वाई. बालाजी किरण ने यात्रियों से यात्रा की योजना बनाने से पहले संशोधित समय-सारिणी की जानकारी लेने की अपील की है।

तंत्र-मंत्र,निवेश और मुनाफे के नाम पर महिला से 85 लाख रुपए की धोखाधड़ी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जून। भिलाई में तंत्र मंत्र, निवेश और मुनाफे का लालच देकर बड़ी ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया है महिला से करीब 85 लाख रुपये की ठगी का खुलासा हुआ है पीड़िता की शिकायत पर भिलाई नगर कोतवाली पुलिस ने आरोपी पवन बधौलिया के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तंत्र मंत्र और डर दिखाकर ठगी शिकायत के अनुसार भिलाई निवासी संगीता कश्यप की मुलाकात वर्ष 2023 में रायपुर में एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान जबलपुर निवासी पवन बधौलिया से हुई थी. बातचीत के दौरान महिला ने अपनी पारिवारिक परेशानियों का जिक्र किया, जिसके बाद आरोपी ने विशेष पूजा-पाठ और तंत्र-मंत्र के जरिए समस्याएं दूर करने का दावा किया. आरोप है कि आरोपी लगातार महिला को ग्रह दोष, प्रेत-बाधा और जिन्न का भय दिखाकर पैसे मांगता रहा वह कहता था कि जबलपुर में गुप्त पूजा कराई जा रही है और पूजा अधूरी रहने पर परिवार पर संकट आ सकता है. महिला से कई बार अलग-अलग खातों और क्यूआर कोड के माध्यम से रकम ली गई महिला को दुर्घटना का दिखाया डर पीड़िता के मुताबिक आरोपी ने यह भी दावा किया था कि यदि विशेष पूजा नहीं कराई गई तो उसके पति का गंभीर एक्सीडेंट हो सकता है. इसके नाम पर उसने डेढ़ लाख रुपये लिए. बाद में महिला के पति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने और अधिक पैसे ऐंठे कई बार मांगे पैसे आरोपी ने महिला के बेटे को शेयर मार्केट और ऑनलाइन ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा देकर निवेश के नाम पर लाखों रुपये जमा करा लिए समय-समय पर वह खुद को जेल में बंद, मां के ऑपरेशन या पारिवारिक संकट में फंसा बताकर भी रकम मांगता रहा।

एलवी एवं एलडब्ल्यू की भर्ती और कई अन्य जनसमस्याओं के लिए किया धरना-प्रदर्शन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल, 25 जून। जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस, यूथ कांग्रेस एवं एनएसयूआई के नेतृत्व मैं nmdc प्रबंधन के खिलाफ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया जिस मैं दंतेवाड़ा जिला की पूर्व विधायक श्रीमती देवकी कर्म , गीदम ब्लॉक कांग्रेस ं के प्रतिनिधि nmdc सुराना, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री मृणाल राय, किरंदुल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी से श्रीमती राजेंद्र मृणाल राय, ने nmdc प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए रु1 एवं रु2 के भर्ती प्रक्रिया के परीक्षा को जल्द से जल्द करने की मांग की और यह भी मांग की जो भी परीक्षा nmdc के भर्ती में लिया जाए वो सब ह्र स्क्र शीट के द्वारा लिया जाए ताकि सभी परीक्षार्थी आसानी से परीक्षा दे सके, नगर पालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी द्वारा यह मांग की गई कि प्रबंधन द्वारा जो nmdc कर्मचारी और नॉन

nmdc कर्मचारी मैं जो भेदभाव किया जा रहा ये nmdc प्रबंधन के लिए भरी पड़ेगा, साथ ही साथ nmdc जब स्थापित हुआ था तब से अभी तक स्थानीय ठेकेदारों को nmdc द्वारा काम दिया जाता मगर बेटे 2 वर्षों से ऑनलाइन का बहाना दे कर स्थानीय ठेकेदारों को सिफ 10 लाख तक का काम दिया जा रहा और और जितने भी बड़े काम है उन्हें बाहरी कंपनियों के दे दिया जा तो इन सब पर nmdc प्रबंधन ध्यान दे और यह भी कहा कि जब स्थानीय ठेकेदारों को काम मिलता है तो वो यह से स्थानीय लोगों को काम पर रखता है मगर जो बाहर से कंपनी आती ही वो अपने साथ मजदूर भी लातो है तो उस वज से स्थानीय लोगों को काम से वंचित रहना पड़ता है इस धरना प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कमेटी द्वारा nmdc के चेकपोस्ट पर खड़े हो कर चक्का जाम करवाया जिस मैं सेकंड शिफ्ट जाने वाले कर्मचारियों के बसो को रोक गया और nmdc प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया।

आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय, सत्ता बचाने के लिए देश को बनाया गया जेल : अटामी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 25 जून। देश में कांग्रेस शासन काल के दौरान आपातकाल लागू करने की 51वीं बरसी पर भाजपा के अटल सदन कार्यालय में प्रेसवार्ता आयोजित किया गया। प्रेसवार्ता में दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय है।तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए देश को जेल के रूप में तब्दील कर दिया था।

विधायक श्री अटामी ने आरोप लगाते हुए कहा कि 25 जून 1975 को संविधान के अनुच्छेद-352 के तहत देश में आपातकाल लागू किया गया था उनका यह निर्णय पूरी तरह राजनीतिक हितों को साधने और सत्ता के लालच में लिया गया फैसला था। 1971 में हुए लोकसभा चुनाव के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अवैध घोषित किए जाने के कारण आपातकाल लागू किया गया। इस दौरान प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया, समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लागू की गई और हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं को बिना कारण पुलिस द्वारा जेल में बंद कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस तथा नानाजी देशमुख सहित कई विपक्षी नेताओं को आपातकाल के दौरान बंदी बनाया गया था। प्रेसवार्ता में भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज भी उसी मानसिकता के साथ कार्य कर रही है और कांग्रेस शासित राज्यों में विरोधी विचार रखने वाले लोगों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई के उदाहरण सामने आते रहे हैं। लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की स्वायत्तता और नागरिक अधिकारों से मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि आपातकाल भले ही वर्ष 1977 में समाप्त हो गया, लेकिन आपातकाल की मानसिकता वाले तत्व आज भी सक्रिय हैं।प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष घासीराम नाग, जिला महामंत्री फूलचंद गागड़ा, भाजपा मीडिया प्रभारी प्रताप यादव, पार्षद संजय रिवानी तथा हितेश साहनी, एरन्ना अन्मुल सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रशासन ने कई कोचिंग संस्थानों की जांच की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जून। लखनऊ में कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक हादसे के बाद दुर्ग जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर शुरू किए गए विशेष अभियान के तहत भिलाई के न्यू सिविक सेंटर में संचालित कई कोचिंग संस्थानों की जांच की गई। जांच के दौरान सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी सामने आने पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया आपको बता दे की अग्निशमन विभाग, पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने न्यू सिविक सेंटर स्थित कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि कई संस्थानों में

फायर सेफ्टी के बुनियादी इंतजाम तक मौजूद नहीं थे। अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकासी व्यवस्था और आवश्यक दस्तावेजों की कमी के चलते मोशन, वेदंतु, राम और सीएडी कोचिंग सेंटरों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।कार्रवाई के बाद शहर के अन्य कोचिंग संचालकों में हड़कंप मच गया है। कई संस्थानों में आनन-फानन में फायर एक्सटिंग्विशर मंगाकर लगाए जा रहे हैं और सुरक्षा इंतजाम दुरुस्त करने की कोशिश की जा रही है। भिलाई को प्रदेश का प्रमुख एजुकेशन हब माना जाता है, जहां हजारों विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे में सुरक्षा नियमों की अनदेखी कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।वहीं अग्निशमन विभाग के अधिकारी नागेंद्र सिंह ने बताया कि जिन संस्थानों में गंभीर खामियां मिली हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि सेक्टर-10, सिविक सेंटर, सुपेला, रिसाली, नेहरू नगर और दुर्ग सहित जिले के सभी कोचिंग संस्थानों की जांच जारी रहेगी सील किए गए कोचिंग संचालकों का कहना है कि सभी फायर सेफ्टी मानकों को पूरा करने के बाद ही संस्थान दोबारा शुरू किए जाएंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

महारानी हॉस्पिटल का नेत्र विभाग भगवान भरोसे या दलालों के हवाले

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर,25 जून। बस्तर संभाग के सबसे बड़े जीवनदायिनी कहे जाने वाले महारानी अस्पताल का नेत्र विभाग इन दिनों खुद मोतियाबिंद का शिकार हो गया है। विभाग में कभी चश्मा घोटाला, कभी ऑपरेशन घोटाला, तो कभी आयुष्मान घोटाले की रोशनी बिखरती रहती है। ताजा मामला विभागीय अनुशासन और नोडल अधिकारी की मेहरबानियों का है, जिसे देखकर लगता है कि यहाँ नियम-कायदे सिर्फ कागजों पर ही दृष्टि गोचर होते हैं।

रोस्टर में नाम, पर साहब अन्तर्ध्यान-विगत 24 जून को शाम 4:00 से 6:00 बजे के बीच जब कुछ बदनसीब मरीज अपनी आँखों का इलाज कराने ओपीडी

पहुंचे, तो उन्हें वहां अंधेर नगरी, चौपट राजा वाला दृश्य देखने को मिला। ड्यूटी रोस्टर के मुताबिक, वहां नेत्र सहायक दयानंद पटेल और फ्रांसिस विलियम की तैनाती थी, लेकिन फ्रांसिस बाबू गायब थे। हद तो तब हो गई जब खुद नियमों का पाठ पढ़ाने वाली नेत्र नोडल अधिकारी डॉ. सरिता थॉमस भी नदारद मिलीं। अब जब कप्तान ही मैदान छोड़कर प्राइवेट पिच पर बैटिंग कर रहा हो, तो टीम के खिलाड़ियों से क्या उम्मीद की जाए।

अकेले जूझते दिखे दयानंद-जब ओपीडी में भटकते मरीजों ने इस अव्यवस्था का वीडियो बनाया और मौके पर मौजूद इकलौते नेत्र सहायक दयानंद पटेल से सवाल किया, तो उन्होंने दर्द बयां करते हुए साफ कहा– फ्रांसिस विलियम ड्यूटी पर नहीं आए हैं, सुबह से शाम तक अकेले ही मोर्चा संभाले हुए हूँ।

ओपीडी में इलाज नहीं, प्राइवेट क्लीनिक का पता मिलता है-वायरल वीडियो में एक और चौंकाने वाला चमत्कार देखने को मिला। जब मरीज डॉक्टर को ढूंढ रहे थे, तब अस्पताल परिसर में सक्रिय कुछ सदुणी दलाल (एजेंट) सक्रिय हो गए। उन्होंने मरीजों की आंखें खोलने के लिए उन्हें सरकारी ओपीडी के बजाय सीधे डॉ. सरिता थॉमस के प्राइवेट क्लीनिक का पता थमा दिया। वाह री व्यवस्था सरकारी तनख्वाह और प्राइवेट का धंधा, दोनों साथ-साथ चंगा

दूरदराज के कर्मचारियों पर जबरन मेहरबानी, चहेतों को विशेष छूट-महारानी अस्पताल के इस नेत्र विभाग का गणित भी बड़ा निराला है। डॉ. सरिता थॉमस ने कथित तौर पर स्टाफ की कमी का रोना रोकर नेत्र ओटी ओटी में चार नेत्र सहायक अधिकारियों को अटैच कर रखा है। लेकिन नियम कायदों को बाय-बाय कहकर, इन चारों को ओपीडी ड्यूटी से बचा लिया जाता है और जिले के दूरस्थ विकासखंडों में तैनात ग्रामीण नेत्र सहायकों को जबरन जगदलपुर बुलाकर ओपीडी में घसीटा जा रहा है।

नेतागिरी और ऑप्टिकल्स के सहारे चल रही नौकरी?-प्राप्त शिकायतों के अनुसार ओपीडी में अकेले डटे दयानंद पटेल (मूल पदस्थापना पीएचसी आसना) खुद विवादों के ब्रांड एंबेसडर हैं। शासकीय सेवा के अमूल्य समय का एक बड़ा हिस्सा इनका धरमपुरा रोड स्थित लुसीका ऑप्टिकल में बीतता है। सरकारी लक्ष्य पूरे हों न हों, लेकिन विभागीय कर्मचारियों के खिलाफ झूठी शिकायतें करने और नेतागिरी करने का इनका लक्ष्य हमेशा 100त्न रहता है।यही हाल इनके जोड़ीदार फ्रांसिस विलियम (मूल पदस्थापना- पीएचसी घोटिया) का है। इनका भी सरकारी काम में मन कम और जिला कार्यालय में परिक्रमा करने तथा नेतागिरी चमकाने में ज्यादा लगता है। इन दोनों महारथियों पर सरकारी दस्तावेजों से छेड़छाड़ और गोपनीयता भंग करने जैसे गंभीर मामलों की जांच पहले से ही ठंडे बस्ते में लटकी हुई है।

जब इस संबंध में घोटिया पीएचसी के प्रभारी डॉ. महेंद्र साहू से फोन पर बात की गई, तो एक नया घोटाला सामने आया। डॉ. साहू ने बताया कि फ्रांसिस विलियम ने घोटिया के रजिस्टर में दस्तखत किए और फालोअप में जाने की बात कहकर निकल गए। अब यक्ष प्रश्न यह है कि अगर फ्रांसिस बाबू घोटिया में ऑन-ड्यूटी थे, तो महारानी अस्पताल के शाम के रोस्टर में उनका नाम किसने और क्यों चमकाया?

बड़ा सवाल- क्या यह नोडल अधिकारी की अपने चहेते कर्मचारियों को दी गई विशेष वीआईपी छूट है, ताकि वे सरकारी ड्यूटी के समय में साहब के प्राइवेट साम्राज्य की सेवा कर सकें बहरहाल, महारानी अस्पताल का नेत्र विभाग फिलहाल खुद अंधेरे में है। अब देखना यह है कि स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी इस मोतियाबिंद का ऑपरेशन कब करते हैं, या फिर बस्तर की जनता ऐसे ही दलालों और नदारद डॉक्टरों के भरोसे अपनी आँखें गंवाती रहेगी।

एक नजर

पीएटी एवं पीव्हीपीटी प्रवेश परीक्षा 28 जून को

रायगढ़, 25 जून। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा पीएटी/पीव्हीपीटी प्रवेश परीक्षा का आयोजन 28 जून रविवार को किया जाएगा। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक आयोजित होगी। जिसके लिए दो परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिनमें शासकीय नटवर इंग्लिश स्कूल, रायगढ़ तथा किरोड़ीमल शासकीय पॉलिटेक्निक, चक्रधर नगर, रायगढ़ शामिल हैं।

कलेक्टर ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर श्री धनराज मरकाम मोबा.97535-36151 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं शासकीय माध्यमिक विद्यालय सराईपाली, तमनार के श्री विकास रंजन सिन्हा मोबा. 70009-29629 को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परीक्षा केन्द्रों में निगरानी के लिए ऑब्जर्वरों की भी नियुक्ति की गई है। जिसमें गवर्नमेंट नटवर इंग्लिश स्कूल, रायगढ़ के लिए श्री रविन्द्र दासे, सहायक अभियंता, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रायगढ़ तथा किरोड़ीमल शासकीय पॉलिटेक्निक, चक्रधर नगर के लिए श्री कृष्ण कुमार प्रधान, प्रशिक्षण अधिकारी, आईटीआई तमनार को ऑब्जर्वर बनाया गया है।जिला प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी ऑब्जर्वर 28 जून को सुबह 7 बजे तक जिला कोषालय, रायगढ़ में उपस्थित होकर गोपनीय परीक्षा सामग्री प्राप्त करेंगे। इसके बाद परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से ढाई घंटे पहले संबंधित परीक्षा केन्द्रों तक गोपनीय सामग्री पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। परीक्षा समाप्त होने के बाद केन्द्राध्यक्ष से सीलबंद गोपनीय सामग्री प्राप्त कर उसे किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ में जमा कराया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि किसी कारणवश नियुक्त अधिकारी परीक्षा दिवस पर उपस्थित नहीं हो पाते हैं, तो वे अपने अधीनस्थ अधिकारी या कर्मचारी को अधिकृत करते हुए वाहन की व्यवस्था करेंगे तथा इसकी सूचना तत्काल जिला कार्यालय को देंगे।

नैनो डीएपी एवं यूरिया प्लस के उपयोग से खेती की लागत में आई कमी : साव

महासमुंद 25 जून । आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान अब कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। इसी तरह विकासखंड पिथौरा के ग्राम सलडीह के प्रगतिशील किसान श्री धनेश्वर साव जिन्होंने अपनी धान की फसल में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग कर बेहतर परिणाम हासिल किए हैं। श्री साव ने बताया कि उन्होंने बीज उपचार से लेकर पौध उपचार और फसल की वृद्धि अवस्था तक नैनो उर्वरकों का नियमानुसार प्रयोग किया। इसके परिणामस्वरूप धान की फसल अधिक हरी-भरी, स्वस्थ एवं मजबूत विकसित हुई। फसल में रोग एवं कीटों का प्रकोप भी अपेक्षाकृत कम देखने को मिला, जिससे अतिरिक्त कीटनाशकों की आवश्यकता कम हुई और खेती की लागत में कमी आई। उन्होंने बताया कि नैनो उर्वरकों को अन्य उपयुक्त कीटनाशकों के साथ मिलाकर छिड़काव करने से समय और मजदूरी दोनों की बचत हुई। इससे कृषि कार्य अधिक सुविधाजनक और किफायती बन गया। फसल की गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिला, जिससे बेहतर उत्पादन की उम्मीद बढ़ी है।साव ने धान की बुवाई से पूर्व बीजों का नैनो डीएपी से उपचार किया। इसके लिए प्रति किलोग्राम बीज में 5 एमएल नैनो डीएपी का उपयोग किया गया। वहीं रोपाई से पहले पौधों की जड़ों को नैनो डीएपी घोल में उपचारित किया गया। फसल की 30 से 35 दिन की अवस्था में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस का संयुक्त छिड़काव किया गया, जबकि दूसरा छिड़काव फूल आने से पहले पोटरी पानी अवस्था में नैनो यूरिया प्लस से किया गया। इन उपायों से फसल को आवश्यक पोषक तत्व समय पर प्राप्त हुए और पौधों की वृद्धि बेहतर हुई। प्रगतिशील किसान श्री धनेश्वर साव का अनुभव क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक है।

एकलव्य विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए काउंसलिंग 30 जून से

महासमुंद 25 जून । छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण, आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु काउंसलिंग की तिथियां और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। आयोजित प्राक्कयन परीक्षा की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) और प्रतीक्षा सूची के आधार पर चयनित छात्रों के लिए यह काउंसलिंग 30 जून 2026 से शुरू होने जा रही है।

काउंसलिंग का कार्यक्रम विकासखंड एवं जिला स्तर पर 30 जून, 1 जुलाई और 2 जुलाई 2026 को आयोजित होगा, राज्य स्तर पर 3 जुलाई 2026 तथा विशेष पिछड़ी जनजाति एवं विशेष आरक्षित वर्ग के लिए 4 जुलाई 2026 को तथा आरक्षित दिवस पर 6 जुलाई 2026 को उन अभ्यार्थियों के लिए काउंसलिंग किया जाएगा ।

प्रेसवार्ता में कांग्रेस पर किया तीखा प्रहार, कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता आज भी जीवित

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय : यज्ञदत्त शर्मा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजिम 25 जून। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ (राज्य मंत्री दर्जा) यज्ञदत्त शर्मा ने आपातकाल की बरसी पर राजिम में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला दिन था। इसी तारीख को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए संविधान और लोकतंत्र दोनों को कुचल कर आंतरिक अशांति का हवाला देते हुए देश पर आपातकाल थोप दिया था। 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक का 21 महीने की अवधि में भारत में आपातकाल घोषित था। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजिम विधायक रोहित साहू, भाजपा जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राधेश्याम सोनवानी, राजिम मंडल अध्यक्ष रिकेश साहू मौजूद रहे।

आपातकाल की बरसी पर बुधवार को राजिम विश्रामगृह में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ (राज्य मंत्री दर्जा) यज्ञदत्त शर्मा ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आपातकाल एक राजनीतिक षड्यंत्र था, न कि कोई राष्ट्रीय संकट। इंदिरा गांधी ने सत्ता में बने रहने के लिए संविधान, लोकतंत्र और जन-अधिकारों को कुचल दिया था। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 की रात सिर्फ एक तिथि नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हत्या का प्रतीक बन चुकी है। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया, समाचार पत्रों की बिजली काटी गई, सेंसरशिप थोप दी गई और हजारों निर्दोष नागरिकों, नेताओं और पत्रकारों को जेलों में ठूंस दिया गया।उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज भी उसी आपातकालीन मानसिकता से ग्रस्त है। आज जब कांग्रेस सत्ता से बाहर है, तब वह लोकतंत्र की दुहाई देती है, लेकिन जब सत्ता में होती है, तब विरोध की हर आवाज को दबाने का प्रयास करती है। कहा कि इस बात को खासकर याद रखना होगा कि आपातकाल के दौरान अभिव्यक्ति की आजादी को भी कुचल दिया गया था, मीडिया पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया था। इमरजेंसी लगाने के तुरंत बाद अख़बारों के दफ्तरों की बिजली काट दी गई ताकि ज़्यादातर अख़बार अगले दिन आपातकाल का समाचार ना छाप सकें। आपातकाल के दौरान 3801 अख़बारों को ज़ब्त किया गया। 327 पत्रकारों कोमीसा कानून के तहत जेल में बंद कर दिया गया । 290 अख़बारों में सरकारी विज्ञापन बंद कर दिए गए। रॉयटर्स सहित कई विदेशी न्यूज़ एजेंसियों के टेलीफोन और दूसरी सुविधाएं काट दी गई। 51 विदेशी पत्रकारों की मान्यता छीन ली गई। 29 विदेशी पत्रकारों को भारत में एंट्री देने सेमना कर दिया गया ।उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जब देश में जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेता लोकतंत्र की रक्षा में जेलों में बंद थे, तब इंदिरा गांधी ने अपने पुत्र संजय गांधी को अघोषित सत्ता का केंद्र बना दिया था। उन्होंने कहा कि आज भाजपा देश की जनता को उस कालखंड की सच्चाई याद दिला रही है ताकि फिर कभी कोई सत्ता के लालच में देश को तानाशाही की ओर न धकेल सके। राजिम विधायक रोहित साहू ने भी आपातकाल विषय पर कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने आह्वान किया कि आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों पर हुए प्रहार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दमन और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के योगदान की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र की रक्षा और संविधान के मूल्यों के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रही है। इसलिए हमारा दायित्व है कि वह आपातकाल की सच्चाई को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाकर लोगों को लोकतंत्र के महत्व के प्रति जागरूक करे। प्रेसवार्ता में भाजपा जिला मीडिया सह प्रभारी रितेश यादव, पालिका सभापति आकाश सिंह राजपूत, देवकी साहू, कुलेश्वर साहू,ईश्वर साहू, बादल साहू, लालजी साहू,महेश देवांगन,जितेंद्र पेंदरिया उपस्थित थे।

माध्यमिक विद्यालय पंचपारा में पाठ्यपुस्तक और ड्रेस का किया गया वितरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 जून। जनपद पंचायत पुसौर अंतर्गत ग्राम पंचायत पंचपारा स्थित माध्यमिक विद्यालय में नए शिक्षा सत्र के अवसर पर पाठ्यपुस्तक एवं स्कूल ड्रेस वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री साहू के निर्देश एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी बी. पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में नव प्रवेशी विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक और स्कूल ड्रेस वितरित की गई। कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य श्रीमती खरे, संकुल समन्वयक श्रवण साव, संस्था प्रमुख श्री डी. नायक, कृषि सभापति मुक्तेश्वर पंडा, सरपंच श्रीमती योग्यता श्याम लाल पटेल, एसएमसी अध्यक्ष पूनी लाल पटेल सहित ग्रामीणजन एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुक्तेश्वर पंडा ने विद्यार्थियों को सफलता के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि नियमित पढ़ाई, अनुशासन और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण से ही जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने बच्चों से समय पर विद्यालय आने, शिक्षकों द्वारा दिए गए कार्य को पूरा करने और कठिन विषयों का लगातार अभ्यास करने की अपील की।

हर गरीब को पक्का मकान दिलाने मैदान में उतरे विधायक रोहित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजिम 25 जून । मोदी की आवास गारंटी को जमीन पर उतारने सक्रिय हुए विधायक रोहित साहू, 24 जून से गांव-गांव शुरू होगा आवास प्लस 2.0 सर्वे पक्के मकान के हक के लिए ग्राम सभाओं में पहुंचे की अपील

कहा कोई पात्र परिवार नहीं छूटेगा गरीबों के आशियाने की लड़ाई में आगे आए रोहित साहू, आवास प्लस 2.0 सर्वे को लेकर जनता से की बड़ी अपील । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के प्रत्येक आवासहीन परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 24 जून से आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण की प्रक्रिया प्रारंभ होने जा रही है। इस महत्वपूर्ण अभियान को लेकर राजिम विधायक रोहित साहू ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में अनिवार्य रूप से शामिल हों और पात्र परिवारों का नाम सूची में दर्ज कराने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं।विधायक रोहित साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि देश का कोई भी गरीब परिवार बिना पक्के मकान के न रहे, और इसी संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण का कार्य शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस सर्वेक्षण के तहत सिस्टम जनरेटेड स्थायी प्रतीक्षा सूची (PWL) का ग्राम सभाओं में वाचन, अवलोकन और परीक्षण किया जाएगा।विधायक साहू ने जानकारी दी कि शासन की मार्गदर्शिका और एसओपी के अनुसार ग्राम सभाओं में प्राथमिकता सूची तैयार की जाएगी, साथ ही सूची में नाम जोड़ने, हटाने या त्रुटि सुधार के लिए दावा-आपत्ति भी प्राप्त की जाएगी। ग्राम सभा से अनुमोदन के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत इस स्थायी प्रतीक्षा सूची को आवास सॉफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ सुनिश्चित किया जा सके।उन्होंने क्षेत्र के सभी ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और पात्र हितग्राहियों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने ग्राम पंचायत मुख्यालयों में पहुंचकर सूची का बारीकी से अवलोकन करें। यदि किसी पात्र परिवार का नाम सूची में छूट गया हो या किसी प्रकार की त्रुटि हो, तो वे दावा-आपत्ति की प्रक्रिया में शामिल होकर उसका निराकरण कराएं। विधायक रोहित साहू ने स्पष्ट कहा कि सरकार का संकल्प है कि कोई भी पात्र, गरीब और जरूरतमंद परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित न रहे।विधायक रोहित साहू ने इसे गरीबों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए कहा कि राजिम विधानसभा क्षेत्र के हर जरूरतमंद परिवार तक योजना का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह केवल सर्वेक्षण नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के सपनों को पक्की छत देने का अभियान है, जिसमें जनता की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

पीएम-अजय योजना के तहत स्वरोजगार के लिए आवेदन आमंत्रित

रायगढ़, 25 जून । अनुसूचित जाति वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय (पीएम-अजय) योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र व्यक्तियों को स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें शासन की ओर से अनुदान की भी सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति, रायगढ़ द्वारा इच्छुक एवं पात्र आवेदकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि पीएम-अजय योजना के तहत विभिन्न आय सृजन गतिविधियों एवं स्वरोजगार आधारित व्यवसायों के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इनमें किराना दुकान, मनिहारी, कपड़ा व्यवसाय, नाई सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैंसी स्टोर, मोटर मैकेनिक, साइकिल मरम्मत एवं दुकान, टीवी-रेडियो और मोबाइल रिपेयरिंग, वाइंडिंग, मुर्गी पालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोना-पत्तल निर्माण, लघु एवं कुटीर उद्योग सहित स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य व्यवसाय शामिल हैं।

समाचार संक्षेप

राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान 28 से 30 जून तक

रायगढ़, 25 जून। कलेक्टर के निर्देश पर जिले में बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का आयोजन 28 से 30 जून तक किया जाएगा। तीन दिवसीय इस विशेष अभियान के तहत रायगढ़ जिले के शून्य से 5 वर्ष आयु वर्ग के 1 लाख 34 हजार 980 बच्चों को पोलियो वैक्सीन की दो बूंद पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जगत ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को निर्धारित तिथि पर नजदीकी पोलियो बूथ तक अवश्य लेकर आएं और उन्हें पोलियो की खुराक दिलाकर इस राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बी.पी. पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान का शुभारंभ रविवार 28 जून को जिले भर के 1307 पोलियो बूथों पर किया जाएगा। पहले दिन बूथ स्तर पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी, जबकि 29 और 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों की पहचान करेंगी जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच पाए हैं। ऐसे बच्चों को उनके घर पर ही पोलियो वैक्सीन पिलाकर प्रतिरक्षित किया जाएगा।

कानून-व्यवस्था को लेकर प्रशासन सख्त, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति और अवैध उत्खनन की व्यापक समीक्षा

रायगढ़, 25 जून। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मयंक चतुर्वेदी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था समीक्षा बैठक में जिले में कानून-व्यवस्था, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति अभियान, अवैध उत्खनन, औद्योगिक सुरक्षा, आबकारी अधिनियम के प्रकरणों तथा विभिन्न संवेदनशील विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में विभागवार प्रगति का परीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में कलेक्टर ने कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़े सभी विषयों में विभागीय समन्वय, सतत निगरानी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, नशा एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण, औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन तथा आमजन की सुरक्षा से जुड़े मामलों में जीरो टालेरेन्स की नीति अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए जमीनी स्तर पर परिणाम सुनिश्चित करे तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर जवाबदेही तय की जाएगी।कलेक्टर ने अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के मामलों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन पर प्रभावी अंकुश लगाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने राजस्व, खनिज, पुलिस एवं परिवहन विभाग को संयुक्त अभियान चलाकर नियमित जांच, सघन निगरानी एवं दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खरीफ सीजन में कृषि विभाग ने 18 दुकानों का निरीक्षण कर 37.45 क्विंटल बीज की बिक्री पर लगाई रोक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 जून। खरीफ सीजन 2026 के दौरान किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा जिलेभर में सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 23 जून को जिले के सभी विकासखंडों में 18 बीज विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बीज नियंत्रण आदेश 1983 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर विभिन्न बीज विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 37.45 क्विंटल बीज के विक्रय, वितरण एवं परिवहन पर प्रतिबंध लगाया गया।

उप संचालक कृषि श्री अनिल वर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खरसिया स्थित मेसर्स जय बालाजी एजेंसी, समलेश्वरी बीज भंडार पटेलपाली, बालाजी बीज भंडार पटेलपाली, मुकेश बीज भंडार धरमजयगढ़, श्री श्याम कृषि केंद्र सिसरिंगा तथा सागर कृषि केंद्र पुसौर में बीजों के स्रोत संबंधी दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों द्वारा विक्रय किए जा रहे बीजों के वैध स्रोत प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिसके चलते विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित बीजों की बिक्री पर रोक लगा दी गई।खरसिया स्थित जय बालाजी एजेंसी में अंकुर सीड एवं मनसा सीड के स्रोत प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अंकुर सोनम एवं मनसा विराट धान बीज के स्टॉक के विक्रय, वितरण एवं परिवहन पर प्रतिबंध लगाया गया। इसी प्रकार रायगढ़ विकासखंड के समलेश्वरी बीज भंडार पटेलपाली, बालाजी बीज भंडार पटेलपाली, मुकेश बीज भंडार धरमजयगढ़ एवं श्री श्याम कृषि केंद्र सिसरिंगा में पान सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के बीजों के स्रोत प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किए जाने पर सात दिवस के लिए विक्रय प्रतिबंध लगाया गया। वहीं पुसौर स्थित सागर कृषि केंद्र में धान की किस्म आईआर-64 के स्रोत प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण उसके विक्रय पर रोक लगाई गई है। कृषि विभाग ने निरीक्षण के दौरान मासिक प्रतिवेदन एवं आवश्यक अभिलेखों का संधारण नहीं पाए जाने पर जिले के 9 बीज विक्रय केंद्रों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।

उप संचालक कृषि कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफ 2026 में बीजों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अब तक 107 नमूने जांच हेतु राज्य स्तरीय बीज गुण नियंत्रण प्रयोगशाला भेजे जा चुके हैं। इनमें 84 नमूने सहकारी क्षेत्र तथा 23 नमूने निजी क्षेत्र से लिए गए हैं। विभाग ने बताया कि जिले में खरीफ सीजन की आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में बीज सहकारी एवं निजी क्षेत्र में उपलब्ध हैं। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल सेवा सहकारी समितियों अथवा अधिकृत बीज विक्रेताओं से ही बीज क्रय करें तथा खरीद के समय पक्का बिल अवश्य प्राप्त करें। इससे बीज की गुणवत्ता संबंधी किसी भी शिकायत अथवा दावे के निराकरण में सुविधा होगी। विभाग ने किसानों को सतर्क रहते हुए प्रमाणित एवं गुणवत्तायुक्त बीजों का ही उपयोग करने की सलाह दी है।

धमतरी बनेगा छत्तीसगढ़ का पहला मॉडल कार्बन कृषि जिला

धमतरी, 25 जून । कृषि को अधिक टिकाऊ, लाभकारी एवं जलवायु-अनुकूल बनाने की दिशा में धमतरी जिले ने एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। जिला प्रशासन धमतरी एवं जलवायु प्रौद्योगिकी आधारित संस्था प्रिथु के मध्य आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के माध्यम से धमतरी को छत्तीसगढ़ के प्रथम मॉडल कार्बन कृषि जिला के रूप में विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस पहल के तहत जिले में दो चरणों में लगभग 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मृदा कार्बन संवर्धन **(Soil Organic Carbon-SOC)** परियोजना तथा 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में ऑल्टरनेट वेटिंग एंड ड्राइंग **(AWD)** आधारित धान उत्पादन परियोजना संचालित की जाएगी। इन परियोजनाओं का उद्देश्य कृषि भूमि की उत्पादकता बढ़ाना, मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करना, जल संरक्षण को प्रोत्साहित करना तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाना है। प्रिथु के सह-संस्थापक श्री प्रबल तोमर ने बताया कि संस्था आगामी तीन वर्षों में लगभग 5 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस निवेश का उपयोग किसानों के क्षमता विकास, ग्रामीण युवाओं के कौशल उन्नयन, रोजगार सृजन, किसान आदान-प्रदान कार्यक्रमों तथा आधुनिक कृषि एवं जलवायु तकनीकों के प्रसार में किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन के पश्चात उनके संपूर्ण जीवनचक्र में कार्बन क्रेडिट के माध्यम से किसानों को लगभग 250 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त होने की संभावना है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होने के साथ-साथ टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा और कृषि क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के प्रति अधिक सक्षम बनाया जा सकेगा।

मोदी की गारंटी और साय सरकार की संवेदनशील पहल से बदल रही भूमिहीन परिवारों की जिंदगी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 जून। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार समाज के कमजोर, वंचित और श्रमजीवी वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में संचालित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना जिले के हजारों भूमिहीन परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के तहत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन रही है।

रायगढ़ जिले में इस योजना के अंतर्गत 32 हजार से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ मिल रहा है। सहायता राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की जा रही है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होने के साथ-साथ परिवारों को समय पर आर्थिक सहयोग भी प्राप्त हो रहा है। शासन की यह पहल उन परिवारों के लिए राहत लेकर आई है, जिनकी आजीविका मुख्य रूप से मजदूरी और पारंपरिक व्यवसायों पर निर्भर है। जिले के नगरीय क्षेत्र में नगर पंचायत घरघोड़ा के 65, धरमजयगढ़ के 563, पुसौर के 371, किरोड़ीमल नगर के 9 तथा लैलूंगा के 304 हितग्राही योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में खरसिया के 7,391, घरघोड़ा के 1,135, छाल के 790, तमनार के 2,433, धरमजयगढ़ के 2,313, पुसौर के 7,360, मुकड़ेगा के 303, रायगढ़ के 6,985 तथा लैलूंगा के 2,020 हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल रहा है।

यह योजना भूमिहीन कृषि मजदूरों के साथ-साथ वनोपज संग्राहकों, चरवाहों, बढ़ई, लोहार, मोची, नाई, धोबी तथा अन्य पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्य सरकार की मंशा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की है।

सहायता राशि से आसान हो रही पारिवारिक जिम्मेदारी

ग्राम कोसमनारा के हरि प्रसाद डनसेना ने बताया कि भूमिहीन होने के कारण परिवार की आजीविका मजदूरी पर निर्भर थी। सीमित आय में परिवार की जरूरतों और बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना कठिन होता था, लेकिन योजना से मिलने वाली सहायता राशि ने आर्थिक बोझ कम किया है और भविष्य के प्रति विश्वास बढ़ाया है। ग्राम कोसमनारा की कुंती देवांगन ने कहा कि योजना से प्राप्त राशि परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में बड़ी मददगार साबित हो रही है। वहीं कांशीचुआ के जगतराम सारथी ने बताया कि यह योजना भूमिहीन मजदूर परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी है, जिससे वर्तमान आवश्यकताओं के साथ भविष्य की जरूरतों की भी बेहतर योजना बनाई जा रही है। रेवती बाई ने कहा कि योजना ने उन्हें आर्थिक सुरक्षा का एहसास कराया है और परिवार के भविष्य को लेकर नया आत्मविश्वास दिया है।

सम्मान और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनकर सामने आई है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना आज हजारों श्रमिक परिवारों के जीवन में खुशहाली लाते हुए प्रदेश में समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा को मजबूती प्रदान कर रही है।

संघर्ष, सेवा और राष्ट्रभक्ति की मिसाल थे स्वर्गीय पंडित मालूराम शर्मा : सौरभ जैन

आपातकाल की याद परिवार में ताजा हो जाती है आज भी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 25 जून। स्वर्गीय पंडित मालूराम शर्मा का जीवन सादगी, संघर्ष, राष्ट्रसेवा और सामाजिक समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण रहा है। उन्होंने अपने जीवनकाल में सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक एवं राष्ट्रवादी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उक्त बात रायपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ जैन लोकतंत्र प्रहरी छत्तीसगढ़ ने कहा बचपन से स्व मीसा बंदी मालूराम शर्मा जी स्व शांताराम जी से जुड़ कर सेवा कार्यों में अग्रणी रहा हु ओर नजदीक से उनको देखा हूं।

जैन ने बताया कि साधारण आर्थिक परिस्थितियों में जीवनयापन करते हुए पंडित मालूराम शर्मा एक छोटी चाय की दुकान संचालित करते थे। इसी दौरान उनका संपर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं

भारतीय जनसंघ के कार्यकर्ताओं और नेताओं से हुआ। राष्ट्रवादी विचारधारा से प्रभावित होकर वे संघ एवं जनसंघ की गतिविधियों से सक्रिय रूप से जुड़ गए। उनका मार्गदर्शन तत्कालीन प्रांत प्रचारक स्वर्गीय शांताराम जी सहित अनेक वरिष्ठ संघ नेताओं ने किया।

वर्ष 1975 में देश में आपातकाल लागू होने के बाद लोकतंत्र समर्थक एवं राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं पर व्यापक कार्रवाई की गई। इसी क्रम में पंडित मालूराम शर्मा को भी मीसा (MISA) के तहत गिरफ्तार कर रायपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया। लगभग दो वर्षों तक जेल में रहने के दौरान उनके परिवार को गंभीर आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनकी धर्मपत्नी और छोटे-छोटे बच्चों ने अत्यंत संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में जीवन व्यतीत किया, किंतु परिवार ने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

जेल से रिहा होने के बाद भी उन्होंने समाज और राष्ट्र की सेवा का कार्य निरंतर जारी रखा। वे पत्रकारिता के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे और युगधर्म समाचार पत्र से जुड़े रहे। सामाजिक जागरूकता, जनसमस्याओं और राष्ट्रहित के मुद्दों को सदैव प्रमुखता से उठाते रहे।

पंडित मालूराम शर्मा विश्व हिन्दू परिषद की गतिविधियों से भी जुड़े रहे तथा धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तिल्दा-नेवरा में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना के प्रयासों में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। इसके साथ ही परशुराम भवन निर्माण सहित अनेक सामाजिक एवं सांस्कृतिक परियोजनाओं में उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई। क्षेत्र में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सामाजिक अभियानों में उनकी सक्रिय भागीदारी सदैव बनी रही। वे विभिन्न वर्गों के लोगों को साथ लेकर समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते थे। उनके सहज व्यवहार, सेवा भावना और संगठन क्षमता के कारण वे समाज के सभी वर्गों में सम्मानित थे।

स्वर्गीय पंडित मालूराम शर्मा का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और जनसेवा के प्रति समर्पित रहा। आज भी उनके द्वारा किए गए कार्य और उनके आदर्श नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। क्षेत्र के सामाजिक, शैक्षणिक और धार्मिक विकास में उनके योगदान को सदैव सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा।

विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में बच्चों का स्वागत

विधायक इन्द्र साव ने की बाउंड्रीवाल एवं प्रार्थना शेड निर्माण की घोषणा

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा, 25 जून। ग्राम पंचायत बनसांकरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक इन्द्र साव थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना तथा दीप प्रवलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर विधायक इन्द्र साव ने विद्यार्थियों, पालकों एवं शिक्षकों को शाला प्रवेश उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में केवल पढ़ाई ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा गुरुजनों के प्रति सम्मान की भावना भी उतनी ही आवश्यक है। विद्यार्थी आज विद्यालय की चौखट पर ज्ञान अर्जित कर रहे हैं, लेकिन आने वाले समय में यही बच्चे देश और समाज की दिशा तय करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने तथा माता-पिता एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का सम्मान करने का आह्वान किया।

विधायक साव ने कहा कि हम शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि ग्रामीण अंचलों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि शैली भाटिया ने कहा कि आज की परिस्थितियों और पुरानी शिक्षा व्यवस्था में काफी अंतर आ गया है। पहले गुरुजन विद्यार्थियों को अनुशासित करने और उनका भविष्य संवारने के लिए आवश्यक कठोरता भी अपनाते थे, लेकिन आज यदि शिक्षक बच्चों को डांट-फटकार लगाते हैं तो कई बार पालकों द्वारा शिकायत की जाती है, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सोना तपकर और अधिक चमकदार बनता है, उसी प्रकार अनुशासन और मार्गदर्शन से ही बच्चों का व्यक्तित्व निखरता है।

शाला विकास समिति के अध्यक्ष नरेश साहू ने भी विद्यार्थियों को शिक्षा एवं जीवन मूल्यों से संबंधित ज्ञानवर्धक बातें बताईं। विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीवास्तव ने शासन की विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य ध्रुव ने आभार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय में बाउंड्रीवाल एवं प्रार्थना शेड निर्माण की मांग रखी, जिस पर विधायक इन्द्र साव ने तत्काल स्वीकृति प्रदान करते हुए दोनों कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने की घोषणा की।

विधायक साव ने छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया तथा विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

इस अवसर पर सरपंच राहुल ठाकुर, ईश्वर सिंह ठाकुर, सुनीता यादव, अरुण यादव, हिरेंद्र कोसले, आगेश जांगड़े, सत्यजीत शेंडे, भागवत मिरी, मनोज साहू, शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालयीन छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद मिलने से किसानों को खेती में हो रही सहूलियत

बलौदाबाजार, 25 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में किसानों को खेती-किसानी के लिए आवश्यक उर्वरक समय पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में बलौदाबाजार निवासी किसान रामनारायण पैकरा ने बताया कि वे लगभग ढाई एकड़ भूमि में खेती करते हैं। खरीफ सीजन की तैयारी के लिए वे खाद लेने अपनी सहकारी समिति बलौदाबाजार पहुंचे, जहां उन्हें बिना लाइन लगे, समय पर एवं पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराया गया। पैकरा ने बताया कि समय पर खाद मिलने से खेती की तैयारियां

सुचारु रूप से हो रही हैं और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग का आभार व्यक्त किया। जिला प्रशासन द्वारा किसानों को निर्धारित दर पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बलौदाबाजार प्रेस क्लब के स्थापना दिवस पर पत्रकारों का सम्मान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 25 जून। बलौदाबाजार प्रेस क्लब के पंजीयन एवं स्थापना दिवस के प्रथम वर्ष पूर्ण होने के गौरवपूर्ण अवसर पर नगर के ऑडिटोरियम में प्रथम पंजीयन स्थापना दिवस एवं पत्रकार सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल स्थापना दिवस तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता के सम्मान, उसकी गरिमा और समाज में उसकी भूमिका को समर्पित एक ऐतिहासिक समारोह बन गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा उच्च शिक्षा मंत्री माननीय टंकराम वर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, कसडोल विधायक संदीप साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार के अध्यक्ष अशोक जैन, प्रेस क्लब के संरक्षक विजय केसरवानी, संरक्षक विधिक सलाहकार सतीश चंद्र श्रीवास्तव, शैलेष नितिन त्रिवेदी, संरक्षक एस. एम. पाध्ये, संरक्षक विद्याधर तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता बलौदाबाजार प्रेस क्लब के अध्यक्ष नरेश गनशानी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण, पूजा-अर्चना एवं दीप प्रवलन के साथ हुआ। इसके पश्चात समारोह का सबसे महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब मुख्य अतिथि टंकराम वर्मा के करकमलों से बलौदाबाजार प्रेस क्लब के आधिकारिक न्यूज़ पोर्टल का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस पहल को जिले की पत्रकारिता के डिजिटल युग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना गया।

खरीफ विपणन वर्ष में धान उपार्जन के लिए पंजीयन एवं संशोधन 1 जुलाई से

बलौदाबाजार, 24 जून (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान उपार्जन हेतु नवीन किसान पंजीयन एवं संशोधन के लिये 1 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 तक समय -सीमा निर्धारित किया गया है।धान उपार्जन हेतु समस्त श्रेणी के किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य है। ऐसे कृषक जिनके द्वारा विगत वर्ष 2025-26 में धान विक्रय हेतु पंजीयन कराया गया है एवं जिनके पास एग्रीस्टेक फार्मर आई.डी. तथा किसान कोड उपलब्ध है उन्हें पृथक से कोई नवीन पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इन कृषकों द्वारा खरीदी-बिकी, नामांतरण, बटवारा, फौती, अन्य माध्यम से यदि नवीन भूमि प्राप्त की गई हो, तो केवल ऐसी भूमि, खसरा नंबर का संशोधन धान विक्रय हेतु संबंधित उपार्जन केन्द्रों या समितियों में किया जाएगा। वन पटटाधारी, डुबान, शासकीय पटटेदार, कोटवार, संस्थागत कृषकों को भी धान विक्रय किये जाने हेतु एग्रीस्टेक में पंजीयन किया जाना अनिवार्य होगा।

बलौदाबाजार वनमंडल में व्यापक स्तर पर सीड बॉल रोपण अभियान प्रारंभ

दो लाख से अधिक सीड बाल से पौधारोपण का लक्ष्य

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 25 जून। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर के निर्देशानुसार वर्षा ऋतु के आगमन के साथ व्यापक स्तर पर सीड बॉल रोपण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत वन मण्डल बलौदाबाजार अंतर्गत रिक्त वन क्षेत्रों, एएनआर क्षेत्रों, चारागाह विकास स्थलों, नदी-नालों के किनारों तथा विरल वन क्षेत्रों में प्राकृतिक पुनर्जनन को बढ़ावा देने एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप उपयोगी प्रजातियों का विस्तार पर बल दिया जाएगा।

अभियान के तहत वनमण्डल स्तर पर पूर्व से ही प्रत्येक वन परिक्षेत्र को लक्ष्य निर्धारित कर सीड बॉल निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया था। इसके अंतर्गत पूरे वनमण्डल में लगभग दो लाख से अधिक सीड बॉल तैयार करने एवं उनका चरणबद्ध रोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप विभिन्न वन परिक्षेत्रों द्वारा बड़ी मात्रा में सीड बॉल निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में उनका रोपण भी किया जा रहा है। वन परिक्षेत्र देवपुर अंतर्गत कसौदी परिसर के कक्ष क्रमांक 243 एवं 244, एएनआर क्षेत्र कक्ष क्रमांक 248 तथा जोंक नदी के किनारे सीड बॉल रोपण का कार्य किया गया, वहीं बारनवापारा परिक्षेत्र के विभिन्न परिसरों में इमली, चार, बेल, बेर, आम, बहेड़ा एवं अन्य स्थानीय प्रजातियों के सीड बॉल का रोपण किया गया।

न्यायालय नजूल अधिकारी, बलौदाबाजार जिला-बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक 1409/नजूल/वाचक-2/2026
बलौदाबाजार, दिनांक 17/06/2026

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका डॉली कसेर पति देवानंद कसेर जाति कसेर निवासी वार्ड नं. 17 बलौदाबाजार तहसील बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार- भाटापारा (छ.ग.) द्वारा नगर बलौदाबाजार स्थित नजूल शीट क्रमांक 14 डी. प्लाट नं. 65/1 क्षेत्रफल 892 वर्गफीट भू-भाटक 19.00 रू. की (खाली जगह) भू धारक सैय्यद आसिफ अली पिता शमशेर अली सा. बलौदाबाजार के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त नजूल भूमि/मकान के भू-धारक सैय्यद आसिफ अली पिता शमशेर अली द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र पंजीयन क्रमांक CG-4512006042023001 पंजीयन दिनांक 06.04.2023 को आवेदक/क्रेता डॉली कसेर पति देवानंद कसेर जाति कसेर निवासी बलौदाबाजार के पक्ष में निष्पादित किया है, जिसके आधार पर आवेदिका अपने नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु बैनामा की छायाप्रति, तलवाना, शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है. जो सुनवाई हेतु इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त नामान्तरण के संबंध में जिस किसी को आपत्ति/दावा हो तो अपना आपत्ति दावा प्रकरण सुनवाई हेतु नियत दिनांक 01/07/2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
बलौदाबाजार

मुहर

शपथ पत्र

मैं प्रभूलाल यादव पिता श्री लखनलाल यादव जाति रावत निवासी ग्राम डांगनबाय तहसील छुरा जिला गरियाबंद छ.ग. का निवासी हूं।

मैं प्रभुलाल यादव ग्राम डांगनबाय तहसील छुरा जिला गरियाबंद छ.ग. का स्थायी निवासी हूं।

मैं अपनी नाबालिक पुत्री का (पुराना नाम) दालेशवरी यादव से बदलकर (नया नाम) ढालेश्वरी यादव करवाना चाहता हूं।

मैं अपनी पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी का करता हूं उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।

मेरी पत्नी श्रीमती मोतिम यादव हमारे नाबालिक पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।

यह शपथ पत्र अपने पूरे होश हवासों मे रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम प्राधिकारी में समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

प्रभुलाल
आवेदक

न्यायालय तहसीलदार बलौदाबाजार जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. अ/20 (1)
वर्ष 2025-2026
ग्राम बलौदाबाजार प.ह.नं. 15

//ईश्तहार//

सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक पंकज साहू पिता स्व. नरेन्द्र साहू जाति तेली निवासी ग्राम बलौदाबाजार तहसील बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) द्वारा नगर बलौदाबाजार प.ह.नं. 15 तहसील स्थित नजूल भूमि शीट नं. 14 बी प्लाट नं. 1/11 क्षेत्रफल 900 वर्गफीट भूमि भू-भाटक 382.50 रूपये, (मकान) जो कि धारक पंकज पिता नरेन्द्र सा. बलौदाबाजार के संयुक्त नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। लीज/पट्टा अवधि दिनांक 31/03/2021 को समाप्त होना उल्लेखित करते हुए नवीनीकरण किये जाने हेतु शपथ पत्र एवं मेनटेनेंस खसरा की प्रतिलिपि सहित आवेदन पत्र नजूल अधिकारी (रा.) बलौदाबाजार से प्रकरण अग्रिम कार्यवाही हेतु प्राप्त हुआ है। जो इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है।

उक्त भूमि का नवीनीकरण किये जाने से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा-आपत्ति करना हो तो स्वयं अथवा किसी अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 30/06/2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा, न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
बलौदाबाजार

मुहर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल कोहका, तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

सूचना पत्र

क्रमांक 154.रा.नि. 2026,
कोहका, दिनांक 23/06/2026

प्रति,

1. **आवेदक-** नितीन अग्रवाल आ.श्री विमल अग्रवाल

अनावेदक- 2. मजूमदार
3. सुरेन्द्र नाथ सरकार
4. अवतार सिंग
5. सद्दाम अली

विषयः- सीमांकन/स्थल जांच के संबंध में सुचना बाबत्।

ग्राम कुरुद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला-दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1574/75,1574/330, रकबा 0.010, 0.010 हे. का सीमांकन/स्थल जांच हेतु न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर/अधीक्षक भू-अभिलेख/सिविल न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर/अधीक्षक भू-अभिलेख शाखा दुर्ग के ज्ञापन क्रमांक 31 दिनांक 27/5/2026 के परिपालन में दिनांक 02/07/2026 को समय 1:00 बजे के बीच में सीमांकन/स्थल जांच किया जाना है। अतः आप सभी हितबद्ध पक्षकार अपने दस्तावेज सहित नियत तिथि एवं समय में उपस्थित होवे, बाद आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

राजस्व निरीक्षक
कोहका

गुंडरदेही विकासखंड के ग्राम रूदा में 3 केएलडी का फिक्कल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित

भूजल एवं पर्यावरण प्रदूषण से बचाने के लिए संचालित की जा रही है डी-स्लजिंग व्यवस्था

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 25 जून। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित स्वच्छता व्यवस्था एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुंडरदेही विकासखंड के ग्राम रूदा में 03 केएलडी का फिक्कल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया है। इस प्लांट के माध्यम से विकासखंड के सभी ग्राम पंचायतों में सेप्टिक टैंकों की नियमित डी-स्लजिंग की व्यवस्था संचालित की जा रही है। जिला पंचायत की अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि इस व्यवस्था के तहत विशेष डी-स्लजिंग वाहनों के माध्यम से घरों, संस्थानों एवं सार्वजनिक परिसरों में स्थापित सेप्टिक टैंकों से फीकल स्लज (मल-मूत्र अपशिष्ट) का सुरक्षित संग्रहण कर उसे फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुँचाया जा रहा है, जहां उसका वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल तरीके से उपचार किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में परिवार सेप्टिक टैंकों का उपयोग करते

हैं। समय-समय पर इन टैंकों की सफाई नहीं होने से ओवरफ्लो, दुर्गंध, भूजल प्रदूषण तथा विभिन्न संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। इन समस्याओं के समाधान हेतु प्रशासन द्वारा नियोजित डी-स्लजिंग व्यवस्था लागू की गई है, जिसके अंतर्गत प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा आधुनिक सक्शन मशीनयुक्त वाहनों से सेप्टिक टैंकों की सुरक्षित सफाई की जा रही है। संग्रहित फीकल स्लज को किसी भी स्थिति में खुले स्थान, खेत, नालों, जलाशयों अथवा नदी-नालों में नहीं डाला जाता, बल्कि सीधे फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट में पहुंचाया जाता है। प्लांट में निर्धारित तकनीकी मानकों एवं पर्यावरणीय दिशा निर्देशों के अनुरूप अपशिष्ट का उपचार किया जाता है। उपचार की प्रक्रिया के दौरान अपशिष्ट में उपस्थित हानिकारक जीवाणुओं एवं प्रदूषक तत्वों को नियंत्रित कर पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम किया जाता है। फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता प्रबंधन की व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हुई है। इससे भूजल स्त्रोतों, हैंडपंपों, कुओं तथा अन्य जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाने में सहायता मिल रही है। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में भी यह व्यवस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सामूहिक सहभागिता से बालोद जिले को 'टीबी मुक्त' बनाने का लें संकल्प : कलेक्टर मिश्रा

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 25 जून। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत बालोद जिले को शत-प्रतिशत टीबी (क्षय रोग) मुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा प्रयासों को गति दी गई है। इसी क्रम में कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने समस्त जिले वासियों से इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय सहभागिता और जागरूकता प्रदर्शित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बालोद जिला सदैव स्वास्थ्य चेतना और सामूहिक प्रयासों में अग्रणी रहा है, अतः अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर जिले से क्षय रोग के समूल उन्मूलन का संकल्प लें। कलेक्टर मिश्रा ने नागरिकों को सचेत करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय से लगातार खांसी हो, सायंकाल के समय बुखार आता हो, अचानक वजन में

गिरावट आ रही हो अथवा भूख न लग रही हो, तो इसे सामान्य शारीरिक कमजोरी मानकर नजर अंदाज न करें। ये लक्षण क्षय रोग (टीबी) के संकेतक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन लक्षणों को समय पर पहचानें और बीमारी को छिपाने के बजाय तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें। कलेक्टर ने अवगत कराया कि बालोद जिले के समस्त शासकीय अस्पतालों, प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी की अत्याधुनिक जांच सहित संपूर्ण उपचार पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है। प्रभावित नागरिक समय पर इन शासकीय सुविधाओं का लाभ उठाकर पूर्णतः स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने समाज के सक्षम नागरिकों, स्वैच्छिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि वे सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए 'निक्षय मित्र' के रूप में अपना पंजीकरण कराएं।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION COMPANY LIMITED
(A Chhattisgarh Government Undertaking) (A Successor Company of CSEB)
OFFICE OF THE ACE (S&P) Dr. SPM TPS, KORBA (EAST), DISTT: KORBA, PIN: 495677 (C.G.)
(An ISO: 9001-2015, ISO: 14001-2015, OHSMS ISO: 45001-2018, certified power station)
PHONE NO. - (07759) 228501, TELEFAX -228501 Email: sepnw.dspmke@cspc.co.in

E-TENDER NOTICE NO.-3237/26

Online bids are invited by the undersigned through CSPGCL e-bidding system (SAP SRM) for, 2x250DSPM TPS, CSPGCL Korba East.

S. No.	Tender Specification No..	RFX No. of E-Tender	Particulars	Qty.	Last date & time of bid submission	E.M.D. (Rs.)	Tender Cost
01	16-06/ DSPM TPS/S&P/BMD /T-3318/26	8100052324	Work Contract for "Overhauling of Air Heaters and Fans of U#2" of 2X250 MW DSPM TPS, Korba East during Short shut down	As per Tender Schedule	06.07.2026 15:30 Hrs.	9710/-	590/-

For More detail, please visit our website at: -https://www. cspc.co.in. Any amendment/ corrigendum, if required, will be displayed on our website only.

SAVE ELECTRICITY

SUPRINTENDING ENGINEER (Contract)
DSPM TPS, CSPGCL, KORBA, EAST

Samvad-48266/1

एक नजर

आशीष गोयल सम्मानित

रायपुर, 25 जून। नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव एवं लोक कल्याण मेला में पीएम स्वनिधि योजना के सफल क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों को वित्तीय सेवाओं से जोड़ने में उल्लेखनीय योगदान के लिए केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के आशीष गोयल को महापौर मीनल चौबे द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर योजना से जुड़े हितग्राहियों को विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

होनहार बच्चों को विप्र समाज देगा छात्रवृत्ति

रायपुर, 25 जून। विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत मेधावी और होनहार छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के जरूरत मंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिन्हें आर्थिक समस्या के कारण अध्ययन में बाधा उत्पन्न हो रही है। अत:समाज के जरूरत मंद विद्यार्थी या उनके पालक विप्र भवन समता कालोनी रायपुर में आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ 10 जुलाई तक आवेदन जमा करें। विद्यार्थी का आधार कार्ड, विगत वर्ष का अंकसूची एवं वर्तमान कक्षा का फीस रसीद फॉर्म के साथ एवं बैंक पासबुक संलग्न करें। फार्म विप्र भवन समता कालोनी रायपुर से 10 जुलाई तक प्राप्त किया जा सकता हैं।

कार्यशाला में रिसर्च पेपर की उपयोगिता की दी गई जानकारी

रायपुर, 25 जून। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र महाविद्यालय एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिवस ऑनलाइन मोड के प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ.पारुल दुबे (सिंबायोसिस इंस्टिट्यूट आफटेक्नोलॉजी नागपुर) ने रिसर्च पेपर पब्लिकेशन पर आधारभूत जानकारी प्रदान किया। डाटा कलेक्शन, रिसर्च पेपर में डाटा का यूज, रिसर्च पब्लिकेशन की पॉलिसी, यूजीसी लिस्टेड और इनफैक्ट फैक्टर आदि के बारे में विस्तार जानकारी प्रदान किया। दूसरे तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ जयशंकर शर्मा (दिल्ली विश्वविद्यालय) ने एजुकेशन, कॉमर्स और कंप्यूटर मे रिसर्च पेपर के उपयोगिता बारे में जानकारी दिया। रिसर्च की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए इंडस्ट्री और यूनिवर्सिटी के बीच समन्वय स्थापित करने की बात की।

लोक कल्याण मेला का आयोजन

रायपुर, 25 जून। नगर पालिक निगम में महापौर नंदलाल देवांगन एवं आयुक्त युगल किशोर उर्वशा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत लोक कल्याण मेला का सफल आयोजन किया गया। मेले का उद्देश्य पथ विक्रेताओं एवं हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया, जहां हितग्राहियों द्वारा अपने-अपने ऋण एवं अन्य आवेदनों को संबंधित बैंक अधिकारियों को सौंपा गया। इस अवसर पर आयुक्त उर्वशा ने सभी प्राप्त आवेदनों का निराकरण 10 दिवस के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मेले में हितग्राहियों की सुविधा के लिए उनकी पीआई, आईडी बनवाई गई तथा बैंकिंग संबंधी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं क्रेडिट कार्ड योजना की विस्तृत जानकारी देकर हितग्राहियों को इन योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत नए आवेदन भी भरवाए गए।

निधन

नरेन्द्र कुमार जैन

रायपुर, 25 जून। रायपुर प्रेस बिरादरी के सबसे वयोवृद्ध सदस्य नरेन्द्र कुमार जैन का बुधवार को निधन हो गया है। वे नीलेश जैन के पिता थे। उन्होने 1957 से 2010 तक नवभारत प्रेस रायपुर के विज्ञापन विभाग में नियमित सेवाएं दी। वे कालीबाड़ी स्कूल की प्रथम मैट्रिक बैच के टापर थे। रायपुर के पहले आर्केस्ट्रा लिटिल म्यूजिक के भी वे सदस्य थे। रायपुर की पहली विज्ञापन एजेंसी के संचालक भी रहे। अंतिम यात्रा आज बूढ़ापारा स्थित निवास स्थान से मारवाड़ी शमशान घाट के लिए निकाली गई।

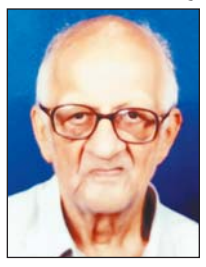

बहुमंजिला भवनों, कोचिंग सेंटरों और होटलों का होगा ऑडिट

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा पर सख्त हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर, 25 जून। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बहुमंजिला आवासीय परिसरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कोचिंग संस्थानों, होटलों तथा अन्य सार्वजनिक उपयोग के भवनों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा और विशेष ऑडिट के निर्देश दिए हैं। हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई अग्नि दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि ऐसी घटनाओं से सबक लेकर सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन को सुनिश्चित करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नागरिकों, विद्यार्थियों और आमजन की सुरक्षा से जुड़ा कोई भी विषय शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव विकास शील ने राज्य के सभी संभागीय आयुक्तों, जिला कलेक्टरों, नगर निगम आयुक्तों, मुख्य नगरपालिका अधिकारियों, अग्निशमन विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को विशेष निरीक्षण अभियान संचालित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस अभियान के अंतर्गत बहुमंजिला आवासीय भवनों, कोचिंग सेंटरों, ट्यूशन कक्षाओं, होटल, लॉज, मॉल, व्यावसायिक परिसरों एवं अन्य सार्वजनिक भवनों की सुरक्षा व्यवस्थाओं का विस्तृत परीक्षण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विद्यार्थियों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन की जिम्मेदारी है। इसलिए सभी संबंधित संस्थानों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों एवं फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता, वैध फायर एनओसी, आपातकालीन निकास मार्गों की व्यवस्था, भवन की संरचनात्मक सुरक्षा, विद्युत वायरिंग एवं उपकरणों की स्थिति, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, प्राथमिक उपचार सुविधा, पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। साथ ही भवनों की क्षमता के अनुरूप लोगों की संख्या, पार्किंग व्यवस्था तथा आपदा की स्थिति में निकासी एवं राहत प्रबंधन की तैयारियों का भी परीक्षण किया जाएगा।डेमोग्राफिक्स

मुख्यमंत्री साय ने निर्देश दिए हैं कि निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के संबंध में संबंधित संस्थानों को आवश्यक सुधार हेतु निर्देश दिए जाएं तथा गंभीर अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

राजधानी के 4 कोचिंग संस्थानों में मिली गंभीर खामियां

नगर निगम ने सुधार के लिए 7 दिन का दिया अल्टीमेटम

रायपुर, 25 जून। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित एक इमारत में लगी भीषण आग में 15 लोगों की मौत के बाद छत्तीसगढ़ में भी एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन अलर्ट हो गया है। इसी कड़ी में रायपुर नगर निगम, अग्निशमन विभाग और अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने शहर के प्रमुख कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच शुरू कर दी है, ताकि किसी भी संभावित हादसे को समय रहते रोका जा सके।

7 प्रमुख कोचिंग संस्थानों का किया गया परीक्षण रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेश और नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर 23 और 24 जून 2026 को दो दिवसीय विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान शहर के 7 प्रमुख कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान प्रवेश और निकास व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा, फायर एनओसी, अग्निशामक यंत्र, वेंटिलेशन, विद्युत सुरक्षा, सीढ़ियों की सुरक्षा, क्षमता अनुरूप संचालन और अन्य सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया। निरीक्षण में अनअकादमी, विद्यापीठ और एलन में अधिकांश आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध पाई गईं। हालांकि, कुछ संस्थानों में वेंटिलेशन एवं क्षमता अनुरूप संचालन के संबंध में सुधारात्मक सुझाव दिए गए हैं। इन 4 कोचिंग संस्थानों में मिली गंभीर खामियां वहीं अकादजा, आरसीसी अकादमी, आभा लाइब्रेरी और टुटेजा अकादमी में विभिन्न सुरक्षा मानकों से संबंधित गंभीर कमियां पाई गईं। इन संस्थानों में फायर एनओसी, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, आपातकालीन निकास, पर्याप्त वेंटिलेशन, विद्युत सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों का अभाव पाया गया। अग्निशमन विभाग ने गंभीर कमियां पाए जाने वाले संस्थानों के प्रति असंतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की है। संबंधित संस्थानों को नोटिस जारी कर 7 दिनों के भीतर सभी जरूरी सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही संबंधित जोन अधिकारियों को भवन अनुमति, बीसीसी, स्वीकृत क्षमता, पार्किंग और अन्य वैधानिक प्रावधानों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

प्राकृतिक चमक के लिए त्वचा को चाहिए 6 आवश्यक पोषक तत्व

रायपुर, 25 जून। किसी भी ब्यूटी आइल से गुजरें तो आपको ऐसे सीरम, फेस मास्क और ओवरनाइट क्रीम्स की भरमार दिखाई देती है, जो तुरंत निखार का दावा करती हैं। लेकिन क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट्स के अनुसार, त्वचा वास्तव में शरीर के अंदर हो रही प्रक्रियाओं का ही प्रतिबिंब होती है। अगर आपकी डाइट खराब है और उसमें बादाम जैसे हेल्दी फूड शामिल नहीं हैं, तो आप स्किनकेयर से उसकी भरपाई नहीं कर सकते।

जब शरीर आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जूझता है, तो उसका असर सीधे चेहरे पर नज़र आता है–जैसे त्वचा का बेजान दिखना, रूखापन या समय से पहले महीन रेखाएँ। आपको एक वास्तविक और स्थायी निखार प्राप्त करने में मदद करने के लिए, जो रात में धोने से भी फीका न पड़े, रितिका समद्दार, रीजनल हेड डाइटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, उन छह आधारभूत पोषक तत्वों को समझाती हैं जो त्वचा को कोशिकीय स्तर से पोषण प्रदान करते हैं।

रितिका समद्दार के अनुसार, इसके लिए किसी बड़े बदलाव की आवश्यकता नहीं है। ये छह पोषक तत्व एक संतुलित, मुख्यतः पौध-आधारित आहार के माध्यम से आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं, जो अधिकांश भारतीय रसोइयों में पहले से ही काफी हद तक मौजूद है। जिस निखार को लोग काउंटर पर हजारों रुपये खर्च कर पाने की कोशिश करते हैं, वह अक्सर पहले से ही उनकी थाली में मौजूद होता है।

स्वागत

रायपुर, 25 जून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल का आज यहां आगमन पर भव्य स्वागत किया गया।

छग के तीन खिलाड़ियों ने बढ़ाया राज्य का मान

रायपुर, 25 जून। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के तीन खिलाड़ियों ने बीसीसीआई के इमर्जिंग मेन्स टूर्नामेंट 2026 में जगह बनाकर प्रदेश का मान बढ़ाया है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 6 जुलाई से 24 जुलाई तक बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा।

ऑल इंडिया जूनियर एवं सीनियर चयन समिति द्वारा देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ के वरुण सिंह भुई, मयंक वर्मा और आशीष पांडे को मौका मिला है। चयन के बाद प्रदेश के क्रिकेट जगत में उत्साह का माहौल है।

मयंक वर्मा को टीम-क्कमें शामिल किया गया है, जबकि आशीष पांडे टीम-ष्ठ का हिस्सा होंगे। वहीं वरुण सिंह भुई भी टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आएंगे।

इस टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ी तीन मल्टीडे मुकाबले खेलेंगे, जहां उन्हें देशभर के सर्वश्रेष्ठ उभरते क्रिकेटरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा। यह मंच युवा खिलाड़ियों के लिए अपने कौशल को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का बड़ा मौका माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके शानदार प्रदर्शन की उम्मीद जताई है। क्रिकेट प्रेमियों को भी अब इन युवा सितारों से बड़ी पारियों और यादगार प्रदर्शन का इंतजार रहेगा।

साय सरकार ने ढाई साल में कांग्रेस की 20 योजनाओं को बंद किया : दीपक बैज

रायपुर, 25 जून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि साय सरकार ने ढाई सालों में या तो कांग्रेस सरकार के समय चलाई जा रही योजनाओं का नाम बदला है या फिर उन योजनाओं को दुर्भावनापूर्वक बंद किया है। सरकार ढाई साल में प्रदेश के हित में एक भी मौलिक योजना चला पाने में फेल साबित हुई है। सरकार के पास जनकल्याण विजन का आभाव साफदिखता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार के ढाई साल में छत्तीसगढ़ की जनता को निराश किया है। साय सरकार पिछली सरकार की इन 20 महत्वपूर्ण योजनाओं को बंद किया। बंद योजनाओं में 400 यूनिट बिजली बिल हॉफ योजना बंद कर दिया। राजीव मितान योजना, गोधन न्याय योजना, रीपा, शहीद महेन्द्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक बीमा योजना, बेरोजगारी भत्ता, मुख्यमंत्री कर्ज माफी, सिंचाई कर माफी, महिला समूहों की ऋण माफी, सीएम आदिवासी परब सम्मान निधि, सीएम छत्तीसगढ़ी परब सम्मान निधि, कोदो-कुटकी-रागी खरीदी, नरवा-गरवा-घुरवा-बारी, मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय, मुख्यमंत्री महतारी दुलार, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन, धरसा विकास, शहरी गरीबों को पट्टा एवं आवास, छत्तीसगढ़िया ओलिंपिक, मुख्यमंत्री सुपोषण योजना को बंद किया। यह सरकार दुर्भावना वाली सरकार है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार में क्षमता नहीं है कि वह कोई नई योजना कर सके। वह कांग्रेस सरकार के समय चलाई जा रही 10 योजनाओं के नाम बदल कर झूठी वाहवाही लेने पर लगी है। भाजपा सरकार नेम चेंजर सरकार है। भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में चल रही राजीव गांधी किसान न्याय योजना-कृषक उन्नति योजना कर दिया।

डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना-शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य योजना कर दिया। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का नाम बदलकर ''दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना'' कर दिया गया। इंदिरा गांधी शुद्ध पेयजल योजना-पं. दीनदयाल उपाध्याय शुद्ध पेयजल योजना कर दिया। इंदिरा गांधी एलईडी पथ प्रकाश योजना-पं. दीनदयाल उपाध्याय एलईडी पथ प्रकाश योजना कर दिया।

बिजली बिल वृद्धि और अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

रायपुर, 25 जून। रायपुर के डीडी नगर एवं खमतराई जोन में आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ते बिजली बिल और अघोषित विद्युत कटौती के विरोध में बिजली विभाग कार्यालयों में काले पोस्टर चस्पा कर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

इस दौरान कांग्रेसजनों ने आरोप लगाया कि एक ओर जनता महंगाई से परेशान है, वहीं दूसरी ओर लगातार बढ़ते बिजली बिल और बार-बार की बिजली कटौती से आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जनता पर बढ़ते बिजली बिलों का बोझ और अघोषित बिजली कटौती भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का परिणाम है। कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर लगातार संघर्ष करती रहेगी।

छग मोटरयान नियम को व्यावहारिक व युक्तियुक्त बनाने की मांग

रायपुर, 25 जून। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में चेम्बर प्रतिनिधिमंडल एवं छत्तीसगढ़ ऑटोमोबाइल रिसेलर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रदेश के परिवहन मंत्री केदार कश्यप जी से सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम, 1994 में किए जा रहे नए संशोधनों और पुरानी गाड़ियों के क्रय-विक्रय (रिसेल) पर लागू किए जा रहे अव्यावहारिक नियमों के विरोध में एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने मंत्री जी को अवगत कराया कि नए प्रस्तावित नियमों के कारण प्रदेश के हजारों छोटे और मध्यम स्तर के वाहन व्यापारियों के सामने व्यवसाय बंद होने का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए इन नियमों की समीक्षा करने और इन्हें व्यावहारिक व युक्तियुक्त बनाने का विशेष आग्रह किया।

श्री थौरानी ने आगे कहा कि पुरानी गाड़ियों के ओनरशिप ट्रांसफर पर लागू 1: के नए टैक्स से बाजार में भारी मंदी है। उन्होंने इस टैक्स को तुरंत वापस लेकर पूर्व की भांति केवल मामूली शुल्क ही लेने की बात कही साथ ही डीलरों से मांगी जा रही भारी-भरकम बैंक गारंटी को पूरी तरह निरस्त करने की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने उसी दिन ऑनलाइन एंट्री के नियम को अव्यावहारिक बताते हुए कहा कि सर्वर डाउन होने या ग्रामीण क्षेत्रों से खरीदी की स्थिति में यह असंभव है। अतः तकनीकी जांच और दस्तावेजों के सत्यापन हेतु शासन द्वारा पर्याप्त समय प्रदान किया जाए। साथ ही किसी लिपिकीय त्रुटि या तकनीकी देरी को गंभीर धोखाधड़ी की तरह न देखा जाए। ऐसे मामलों में सीधे लाइसेंस निरस्त करने के बजाय डीलरों को सुधार और स्पष्टीकरण का उचित अवसर मिलना चाहिए।

वाहन व्यापारियों की चिंताओं और चेंबर द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन को बेहद गंभीरता से लेते हुए परिवहन मंत्री केदार कश्यप जी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि शासन व्यापारियों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि व्यापार को सुगम बनाना और विसंगतियों को दूर करना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री जी ने इस दिशा में आवश्यक व सकारात्मक कदम उठाने का पूर्ण आश्वासन दिया।

योजना का लाभ / विवाहित महिलाओं के लिए जल्द ही पोर्टल खोलने की तैयारी कर रहा है विभाग

महतारी वंदन योजना में फिर से जुड़ेंगे नाम : लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर, 25 जून। महतारी वंदन योजना से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है. योजना से अब तक नहीं जुड़ पाई विवाहित महिलाओं के लिए जल्द ही पोर्टल खोलने की तैयारी है. महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि मुख्यमंत्री की अनुमति मिल चुकी है, और अगले एक सप्ताह के भीतर पोर्टल शुरू करने की तैयारी की जा रही है.

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि पोर्टल खोलने की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से की जाएगी. सबसे पहले बस्तर संभाग के जिलों में पोर्टल खोला जाएगा, जिसके बाद प्रदेश के अन्य संभागों में भी आवेदन और पंजीयन की सुविधा शुरू की जाएगी. इस माध्यम से सरकार का उद्देश्य उन पात्र महिलाओं को योजना का लाभ पहुंचाना है, जो किसी कारणवश अब तक आवेदन नहीं कर सकी हैं, या जिनका नाम योजना में शामिल नहीं हो पाया है.

बता दें कि महतारी वंदन योजना के तहत पात्र विवाहित महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है. योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, परिवार में उनकी भागीदारी को मजबूत करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद करना है. पोर्टल खुलने से बड़ी संख्या में ऐसी महिलाओं को राहत मिलेगी जो लंबे समय से आवेदन प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रही थीं.

पोर्टल शुरू होने के बाद पात्र महिलाएं आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकेंगी. इसके लिए संबंधित विभाग की ओर से विस्तृत दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे. महतारी वंदन योजना का दायरा बढ़ाकर अधिक से अधिक पात्र महिलाओं को इसका लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है.

कार्यकर्ताओं को डिजिटल रूप से सशक्त बना रही है भाजपा : साव

रायपुर, 25 जून। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीकों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग में निपुण बनाने के लिए देशव्यापी अभियान चला रही है। साव बुधवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पं. दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के तहत डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म की बैठक के दौरान पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने बताया कि भाजपा एक कार्यकर्ता-आधारित पार्टी है। कार्यकर्ताओं की योग्यता और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से ही लगातार विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में प्रदेश की सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों से चिन्हित किए गए तीन-तीन प्रमुख कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से आमंत्रित कर प्रशिक्षित किया जा रहा है। यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, ये कार्यकर्ता जमीनी स्तर तक जाकर अन्य साथियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के सही और प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण देंगे। साव ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हमारे कार्यकर्ता हर क्षेत्र में सक्षम और योग्य बनें। उनका संगठनात्मक और वैचारिक विकास हो।

पुराने विधानसभा भवन में शुरू होगी फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई

रायपुर, 25 जून। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित पुराना विधानसभा परिसर अब जल्द ही फैशन और टेक्सटाइल शिक्षा का नया केंद्र बनने जा रहा है। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों को शुरू करने के लिए पुराने विधानसभा भवन को अस्थायी कैंपस के रूप में आवंटित किया है। नए शैक्षणिक सत्र से संस्थान ने इस परिसर से अपना कामकाज औपचारिक रूप से प्रारंभ कर दिया है।

नवा रायपुर में बनेगा स्थायी परिसर: उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में हढ्ढस्न्ञ्ज की स्थापना को लेकर 17 अप्रैल 2025 को आयोजित कैबिनेट की बैठक में औपचारिक मंजूरी दी गई थी। सरकार ने इसके स्थायी कैंपस के निर्माण के लिए नवा रायपुर में भूमि आवंटन और प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। जब तक नवा रायपुर में संस्थान का अत्याधुनिक और स्थायी परिसर बनकर तैयार नहीं हो जाता, तब तक छात्रों की पढ़ाई और प्रशासनिक कार्य इसी पुराने विधानसभा भवन से संचालित किए जाएंगे।

युवाओं को मिलेगी टेक्सटाइल और परिधान क्षेत्र में वैश्विक शिक्षा

नए विधानसभा भवन के नवा रायपुर में स्थानांतरित होने के बाद, इस ऐतिहासिक पुराने भवन के रचनात्मक उपयोग को लेकर राज्य सरकार ने यह बड़ा कदम उठाया है। इस पहल से प्रदेश के युवाओं को राष्ट्रीय स्तर की फैशन डिजाइनिंग, टेक्सटाइल डिजाइन और परिधान प्रबंधन की उच्च शिक्षा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी, जिससे रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26